▪ आश्विन शुक्ल - 11 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 81 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 14-10-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है : संजू सैमसन
6 स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा को आगे बढ़ाएंगे नोएल टाटा
7 ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद सैन्य प्राथमिकताओं में व्यापक बदलाव की योजना

फर्स्ट टेक

असम में 4.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए

गुवाहाटी/भाषा। असम के उत्तर-मध्य हिस्से में रविवार सुबह 4.2 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। एक आधिकारिक बुलेटिन में यह जानकारी दी गयी है। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी जान-ओ-माल के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं मिली है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रह्मपुत्र के उत्तरी किनारे पर उदलगुडी जिले में सुबह सात बजकर 47 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र जमीन से 15 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप का केंद्र गुवाहाटी से करीब 105 किलोमीटर उत्तर और असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के समीप तेजपुर से 48 किलोमीटर पश्चिम में स्थित था।

पाकिस्तान को एक करोड़ अमेरिकी डॉलर मिले

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान को सिंधु नदी में एकीकृत और अनुकूल जल संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए जलवायु वित्त पोषण में एक करोड़ अमेरिकी डॉलर दिए गए हैं, जिससे स्थानीय समुदायों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रकृति-आधारित समाधानों पर विशेष ध्यान दिया जा सके। काठमांडू स्थित इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी) की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, पाकिस्तान में पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के लिए सतत कार्रवाई (एसएएफईआर) नामक परियोजना के वास्ते शुक्रवार को अनुकूलन निधि बोर्ड द्वारा वित्त पोषण को मंजूरी दी गई।

सूडान में बाजार पर हवाई हमले में 23 की मौत

खार्तूम/एजेन्सी। सूडान के दक्षिणी खार्तूम के एक मुख्य बाजार में शनिवार को हवाई हमले में कम से कम 23 नागरिक मारे गए और 40 से अधिक अन्य घायल हो गए। स्थानीय स्वयंसेवक और गैर-सरकारी समूहों ने यह जानकारी दी। स्थानीय स्वयंसेवी समूह साउथ खार्तूम इमरजेंसी रूम ने रविवार को एक बयान में कहा, यह घटना तब हुई जब युद्धक विमानों ने कल (शनिवार) दोपहर खार्तूम में अल-सूक अल-मरकजी (केंद्रीय बाजार) पर बमबारी की। बयान में कहा गया, घायलों को इलाज के लिए बशीर, एलराज़ी और अलराकी अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया। कुछ की हालत गंभीर है। अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। सैन्य सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) ने 26 सितंबर को राजधानी खार्तूम में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के खिलाफ एक महत्वपूर्ण आक्रमण शुरू किया, जो शहर पर नियंत्रण हासिल करने के लिए महीनों में इसका सबसे महत्वपूर्ण प्रयास था।

सूर्यास्त 14-10-2024	सूर्योदय 15-10-2024
6:01 बजे	6:10 बजे

BSE	NSE
81,381.36	24,964.25
(-230.05)	(-34.20)

सोना	चांदी
7,953 रु.	92,585 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

शूटर का डर

पब्लिक से नेता डरते हैं,
मिल जाए जाने कब हूटर।
वायरस सिस्टम में आज घुसे,
अब हैंग हुए सब कम्प्यूटर।
बेख़ौफ़ घूमते आखिर क्यों,
हर तरफ आज क़ातिल शूटर।
किनका संरक्षण है इनको,
है कौन कहो इनका ट्यूटर।

विद्यारंभ

केरल में रविवार को विजया दशमी के अवसर पर मंदिरों में 'विद्यारंभम' अनुष्ठान आयोजित कर छोटे बच्चों का परिचय अक्षरों से कराया गया। विद्यारंभम नौ-दिवसीय वार्षिक नवरात्र उत्सव के समापन का प्रतीक है। इस दक्षिणी राज्य में विजया दशमी को 'विद्यारंभम', अर्थात शिक्षा के प्रारंभ के दिन के रूप में मनाया जाता है। रीति-रिवाज के अनुसार, विद्वान, लेखक, शिक्षक, पुजारी और समाज के अन्य प्रमुख व्यक्ति राज्य भर के मंदिरों और सांस्कृतिक केंद्रों में बच्चों को, आमतौर पर दो से तीन वर्ष की आयु के बच्चों को, 'हरि श्री गणपतये नमः' मंत्र के साथ उनका पहला अक्षर लिखवाते हैं।

भूमि जिहाद, थूक जिहाद नहीं चलेगा : मुख्यमंत्री धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को कहा कि देवभूमि उत्तराखंड में धर्मांतरण, अतिक्रमण, ''भूमि जिहाद और थूक जिहाद'' नहीं चलेगा और इसे रोकने के लिए उन्होंने समाज के पढ़े-लिखे वर्ग से आगे आने का आह्वान किया।

उधमसिंह नगर जिले के किच्छा में नागरिक अभिनंदन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है जहां सब मिलजुलकर रहते हैं। उन्होंने कहा, ''लेकिन उत्तराखंड के अंदर धर्मांतरण नहीं चलेगा, अतिक्रमण नहीं चलेगा, लैंड (भूमि) जिहाद नहीं चलेगा। उत्तराखंड में कुछ लोग थूक जिहाद कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश के अंदर थूक जिहाद नहीं चलेगा।''

मुख्यमंत्री ने कहा, ''समाज के अंदर खराब चीजों को रोकने के लिए पढ़ेलिखे लोगों को आगे आना चाहिए। जो गलत चीज है, वह बर्दाश्त नहीं होगी। उत्तराखंड में यह किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होगा।''

हाल में पर्यटक नगरी मसूरी में उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के खतौली के निवासी दो भाई नौशाद अली और हसन अली को चाय के बर्तन में थूकने और उस चाय को ग्राहकों को पिलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार कठोर, लेकिन जरूरी निर्णय ले रही है। उन्होंने सख्त नकल विरोधी कानून, दंगा विरोधी कानून आदि का जिक्र किया तथा कहा कि जल्द ही प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) भी लागू होने जा रही है।

नड्डा का खरगे पर पलटवार

चुनावी झटकों ने कांग्रेस प्रमुख को बना दिया वैचारिक रूप से दिवालिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 'आतंकवादियों की पार्टी' बताने पर पलटवार करते हुए भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने रविवार को कहा कि कांग्रेस को निरंतर लगे चुनावी झटकों ने पार्टी प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे को वैचारिक रूप से दिवालिया बना दिया है। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी पार्टी का 'आतंकवादी' वाला कटाक्ष अपने 'विफल उत्पाद' को बचाने की हताशा का परिणाम है। उनका इशारा राहुल गांधी की ओर था।

नड्डा ने एक बयान में कहा कि भारत की सबसे पुरानी पार्टी ऐसी दयनीय स्थिति में पहुंच गयी है जिससे व्यक्ति को पीड़ा होती है। उन्होंने कहा कि खरगे को कांग्रेस पर लोगों के घटते भरोसे और पार्टी के बार-बार चुनाव हारने के कारणों पर आत्मचिंतन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों को पता है कि कौन सी पार्टी राष्ट्रविरोधी शक्तियों, शहरी नक्सलियों और देश को बदनाम करने की चेष्टा करने वालों का समर्थन करती है। भाजपा अध्यक्ष का यह पलटवार खरगे द्वारा इस दल को आतंकवादियों की पार्टी कहे जाने के एक दिन बाद आया है। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल में कांग्रेस को 'शहरी नक्सलियों' द्वारा संचालित संगठन बताये जाने के जवाब में यह बयान दिया था।

विकसित भारत के सपने को पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है भारत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

▪ पीएम गतिशक्ति ने भारत के बुनियादी ढांचे के विकास की यात्रा को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान' (पीएमजीएस-एनएमपी) एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है, जिसका उद्देश्य भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाना है और यह सभी क्षेत्रों में तेज और अधिक कुशल विकास को बढ़ावा दे रहा है।

मोदी ने पीएमजीएस-एनएमपी की तीसरी वर्षगांठ पर यहां भारत मंडपम स्थित 'पीएम गतिशक्ति अनुभूति केंद्र' का औचक दौरा भी किया और कहा कि उन्होंने ''इस पहल की परिवर्तनकारी शक्ति'' का अनुभव किया है।

अनुभूति केंद्र पीएमजीएस-एनएमपी की प्रमुख विशेषताओं, उपलब्धियों और मील के पत्थरों को प्रदर्शित करता है और इसे विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों को 'मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी' बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए 13 अक्टूबर, 2021 को शुरू किया गया था।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान भारत के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में उभरा है। इसने मल्टीमोडल कनेक्टिविटी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में तेज और अधिक प्रभावी विकास हुआ है।'' उन्होंने कहा कि विभिन्न हितधारकों के निर्बाध एकीकरण से 'लॉजिस्टिक्स' को बढ़ावा मिला है, विलंब कम हुआ है और कई लोगों के लिए नये अवसर उत्पन्न हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''गतिशक्ति के कारण भारत विकसित भारत के हमारे सपने को पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह प्रगति, उद्यमशीलता और नवाचार को प्रोत्साहित करेगा।''

मोदी ने भारत मंडपम में पीएम गतिशक्ति अनुभूति केंद्र का दौरा किया और पीएम गतिशक्ति के प्रभाव के कारण देशभर में परियोजनाओं की योजना और क्रियान्वयन में हुई प्रगति की सराहना की। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में इसके अपनाए जाने की सराहना की, जिससे विकसित भारत के सपने को पूरा करने में तेजी आ रही है।

बाद में शाम को, मोदी ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, ''आज, जब गतिशक्ति ने तीन साल पूरे किए, तो भारत मंडपम गया और अनुभूति केंद्र का दौरा किया, जहां मैंने इस पहल की परिवर्तनकारी शक्ति का अनुभव किया।'' उन्होंने कहा, ''पीएम गतिशक्ति ने भारत के बुनियादी ढांचे के विकास की यात्रा को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह सुनिश्चित करने के लिए प्रौद्योगिकी का शानदार उपयोग कर रहा है कि परियोजनाएं समय पर पूरी हों और किसी भी संभावित चुनौती को कम किया जा सके।'' अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय मास्टर प्लान का उपयोग करते हुए, संबंधित मंत्रालयों और विभागों ने अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों जैसे कोयला, इस्पात, उर्वरक, बंदरगाह, खाद्य और सार्वजनिक वितरण आदि के पहले और अंतिम मील कनेक्टिविटी मुद्दों से संबंधित 156 बुनियादी ढांचे की कमियों की भी पहचान की है।

गुजरात में पांच हजार करोड़ रुपए मूल्य की कोकीन बरामद

नई दिल्ली/भाषा। गुजरात के अंकलेश्वर में दिल्ली पुलिस और गुजरात पुलिस ने रविवार को एक संयुक्त अभियान में पांच हजार करोड़ रुपये मूल्य की 518 किलोग्राम कोकीन जब्त की। सूत्रों ने बताया कि इसके साथ ही दिल्ली और गुजरात में एक पखवाड़े के भीतर कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 13,000 करोड़ रुपये मूल्य की 1,289 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम 'हाइड्रोपोनिक थाईलैंड मारिजुआना' जब्त की गई है। दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ और गुजरात पुलिस ने रविवार को अंकलेश्वर में एक दवा कंपनी में तलाशी के दौरान 518 किलोग्राम कोकीन बरामद करने का दावा किया। सूत्रों ने बताया कि जब्त कोकीन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग पांच हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है। विशेष प्रकोष्ठ ने एक अक्टूबर को दिल्ली के महिपालपुर में एक गोदाम पर छापा मारकर 562 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम 'हाइड्रोपोनिक मारिजुआना' की खेप जब्त की थी। सूत्रों ने बताया कि जांच के दौरान 10 अक्टूबर को दिल्ली के रमेश नगर की एक दुकान से लगभग 208 किलोग्राम अतिरिक्त कोकीन बरामद की गई थी। सूत्रों ने बताया कि पुलिस को पता चला कि यह मादक पदार्थ एक कंपनी का था, जिसने इसे अंकलेश्वर की दवा कंपनी से प्राप्त किया था।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में 'सह-षड्यंत्रकारी' पुणे से गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में 28 वर्षीय एक व्यक्ति को पुणे से गिरफ्तार किया है जिसने अपने भाई के साथ मिलकर हत्याकांड में तीन कथित शूटरों में से दो की ''मदद'' की थी। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुणे से गिरफ्तार किये गए इस व्यक्ति की पहचान प्रवीण लोणकर के रूप में हुई है, जिसे पुलिस ने 'सह-षड्यंत्रकारी' बताया है और कहा कि वे उसके भाई शुभम लोणकर की तलाश कर रहे हैं। मामले में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अपराध शाखा के अधिकारी के अनुसार, प्रवीण और शुभम ने दो कथित शूटर की ''मदद'' की थी, जिनमें से एक उत्तर प्रदेश का निवासी है और दूसरे का नाम शिवकुमार गौतम है।

गौतम फरार है, जबकि पुलिस ने उत्तर प्रदेश के निवासी और एक अन्य कथित शूटर को गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी पहचान गुरमेल बलजीत सिंह (23) के रूप में हुई है।

अधिकारी ने बताया कि पुलिस शुभम लोणकर की तलाश में पुणे गई थी, लेकिन वह वहां नहीं मिला। इसके बाद, पुलिस ने उसके भाई प्रवीण को अपराध में कथित संलिप्तता को लेकर गिरफ्तार कर लिया।

एक वायरल सोशल मीडिया पोस्ट में बिश्नोई गैंग की भूमिका का दावा

मुंबई/दिल्ली/भाषा। मुंबई के बांद्रा इलाके में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या को लेकर रविवार को विपक्षी दलों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच तीखी जुबानी जंग हुई। वहीं, एक वायरल सोशल मीडिया पोस्ट में इस वारदात के पीछे लॉरेंस बिश्नोई गिरोह का हाथ होने का दावा किया गया।

मुंबई की एक अदालत ने पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या किए जाने के मामले में गिरफ्तार दो में से एक आरोपी को रविवार को 21 अक्टूबर तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया। अदालत ने पुलिस को दूसरे आरोपी की उम्र पता लगाने के लिए उसका अस्थि परीक्षण कराने का निर्देश दिया क्योंकि उसने नाबालिग होने का दावा किया है। पुलिस ने अदालत से कहा कि वह यह जांच करना चाहती है कि क्या महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया।

हरियाणा में नया मुख्यमंत्री चुनने के लिए पर्यवेक्षक बने अमित शाह

नई दिल्ली/एजेन्सी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हरियाणा में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने रविवार को यहां एक विज्ञप्ति में बताया कि पार्टी के संसदीय बोर्ड ने हरियाणा में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। इसी तरह से पार्टी संसदीय बोर्ड ने जम्मू-कश्मीर विधायक दल के नेता के चयन के लिए केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। राजनीतिक हलकों में शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किए जाने को आश्चर्य से देखा जा रहा है। हाल के वर्षों में ऐसा पहली बार हुआ है जब शाह को किसी राज्य विधानसभा के चुनाव के बाद भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव की जिम्मेदारी दी गई है।

उत्तरी गाजा को खाली कराने और सहायता बंद करने की योजना पर विचार कर रहे नेतन्याहू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/एपी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू हमास आतंकवादियों को भूख से मारने के प्रयास के तहत उत्तरी गाजा में मानवीय सहायता बंद करने की सेवानिवृत्त जनरलों के एक समूह की योजना की समीक्षा कर रहे हैं। यदि इस योजना को लागू कर दिया गया तो वे लाखों फलस्तीनी भोजन या पानी की आपूर्ति के अभाव के बीच उत्तरी गाजा में फंस सकते हैं जो अपने घर छोड़कर नहीं जाना चाहते या जो ऐसा करने में सक्षम नहीं हैं।

इजराइल ने साल भर से जारी युद्ध के दौरान उत्तरी क्षेत्र को खाली करने के संबंध में असैन्य आबादी के लिए कई आदेश जारी किए हैं, जिनमें से सबसे ताजा आदेश रविवार को जारी किया गया।

सेवानिवृत्त जनरलों के एक समूह द्वारा नेतन्याहू और इजराइली संसद के समक्ष प्रस्तावित ताजा योजना के तहत फलस्तीनियों को गाजा शहर समेत गाजा पट्टी के उत्तरी हिस्से को छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया जाएगा। इसके बाद इसे एक बंद सैन्य क्षेत्र घोषित किया जाएगा। यह योजना तैयार करने में प्रमुख भूमिका निभाने वाले एक पूर्व जनरल द्वारा 'एसोसिएटेड प्रेस' को दी गई योजना की एक प्रति के अनुसार, जो लोग बचेंगे, उन्हें लड़ाके माना जाएगा - जिसका अर्थ है कि सैन्य नियम, सैनिकों को उन्हें मारने की अनुमति देंगे - और उन्हें भोजन, पानी, दवा और ईंधन से वंचित कर दिया जाएगा।

इजराइल को थाड तोपखाना, अपने सैनिक भेजेगा अमेरिका

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने रविवार को कहा कि वह इजराइल को एक एंटी बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली 'टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस' (थाड) और सैनिक भेजेगा, जबकि ईरान ने वाशिंगटन को अमेरिकी सैन्य बलों को इजराइल से बाहर रखने की चेतावनी दी है। पेंटागन के प्रवक्ता मेजर जनरल पैट राइडर ने एक बयान में कहा कि रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने राष्ट्रपति जो बाइडन के निर्देश पर थाड तोपखाने की तैनाती को मंजूरी दी है। राइडर ने कहा कि यह वायु रक्षा प्रणाली अप्रैल और अक्टूबर में इजराइल पर किये गए ईरान के मिसाइल हमलों के बाद, इजराइल की हवाई रक्षा को मजबूत करने में मदद करेगी।

स्पेसएक्स की यांत्रिक भुजाओं ने लैंडिंग पैड पर स्टारशिप रॉकेट के बूस्टर को उतारा

बोका चिका (अमेरिका)/एपी। 'स्पेसएक्स' ने रविवार को अपने स्टारशिप रॉकेट को अब तक की सबसे साहसिक परीक्षण उड़ान के तहत प्रक्षेपित किया और यांत्रिक भुजाओं (आर्म) के सहयोग से लौट रहे बूस्टर को पैड पर वापस उतारा गया। लगभग 400 फुट (121 मीटर) लंबे स्टारशिप को सूर्योदय के समय मैक्सिको की सीमा के निकट टेक्सास के दक्षिणी सिरे से प्रक्षेपित किया गया। यह पूर्व के उन चार अन्य स्टारशिप की तरह मैक्सिको की खाड़ी के ऊपर से वक्र बनाते हुए गुजरा जो या तो उड़ान भरने के तुरंत बाद नष्ट हो गए थे या समुद्र में गिरकर नष्ट हो गए थे।

स्पेसएक्स ने पहले चरण के बूस्टर को वापस उसी पैड पर उतारा जहां से उसने सात मिनट पहले उड़ान भरी थी। प्रक्षेपण टॉवर पर धातु की विशाल छड़ें लगी थीं, जिन्हें 'चॉपस्टिक' कहा जाता है। स्टारशिप में 33 रैप्टर इंजन लगे हैं।

वर्षीतप भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन एवं खनन विधि सम्पन्न

लाभार्थी दांतेवाड़िया परिवार ने किया भूमिपूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय महावीर स्वामी वर्षीतप चैरीटेबल ट्रस्ट चामराजपेट के तत्वावधान में आचार्यश्री अरविंदसागरसूरीश्वरजी की प्रेरणा से मुनिश्री राजपद्मसागरजी एवं साध्वीश्री संयमपूर्णाश्रीजी की निश्रा में पारस पैकेजिंग के राजेन्द्रकुमार, अभयचंद, जिनेशकुमार दांतेवाडिया परिवार द्वारा भारत वर्ष का प्रथम वर्षीतप ऐतिहासिक भवन निर्माण के लिए भूमिपूजन एवं खनन विधि का विधिविधान सम्पन्न हुआ। मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने लाभार्थी परिवार के इस सुकृत कार्य की अनुमोदना करते हुए कहा कि दान 5 प्रकार के होते है जिसमें यह सर्वश्रेष्ठ उचित दान हैं। शहर में वर्षीतप भवन की जरूरत थी, उचित कार्य में अपनी लक्ष्मी का उपयोग करने वालें पुण्यशाली होते हैं। संतश्री ने ट्रस्ट मंडल की भी अनुमोदना करते हुए मंगल आशीर्वाद दिया। ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मेहता ने सभी का स्वागत किया। मंत्री संतोष चौहान ने बताया कि लाभार्थी परिवार सकल श्रीसंघ के साथ शोभायात्रा के साथ भूमि पूजन स्थल पहुंचे। स्नात्र पूजा एवं विधि विधान लाभार्थी परिवार द्वारा सम्पन्न कराया गया। भवन निर्माण कमेटी के चेयममैन भेरूलाल भंडारी ने भवन निर्माण कार्यो की जानकारी देते हुए सभी लाभार्थी परिवार का अतिथियों का कार्यकर्ताओ का धन्यवाद दिया। संचालन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष गौतम मुथा द्वारा किया गया।

ट्रस्ट द्वारा भूमिपूजन के लाभार्थी परिवार का सम्मान किया गया। कैलाश संखलेचा द्वारो यह जानकारी दी गई। इस अवसर पर शिलान्यास के लाभार्थी संघवी घेवरचंद सांकरिया परिवार एवं ट्रस्ट मंडल सेवा मंडल, महिला मंडल, बालिका मंडल सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

नम्रता की निशानी होते हैं साधु : साध्वी स्वर्णांजंनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी ने नवपद जी की ओली के पांचवें दिवस के प्रवचन में कहा कि साधकों की साधना में सदा सहायता करने वाले, अप्रमत्त गुण के धारक, लोक में रहे हुए सभी साधु भगवंतों के साधु पद का वर्णन करते हुए कहा कि जो साधना करे और मौन रखे वो साधु होते हैं। मुनि स्वयं के मन पर नियंत्रण रखते हैं और कोई भी वचन व्यर्थ का उच्चरित न हो, ऐसा ध्यान रखते हैं। कोई प्रवृत्ति विरुद्ध न हो जाए इसकी जागरूकता रखने वाले और साधु जीवन जगत के लिए आश्चर्य स्वरूप है। साधु यान जंगम तीर्थ, साधु यानी जीता जागता धर्म, साधु यानी करुणा की मूरत, साधु यानी नम्रता की निशानी, साधु यानी निर्लोभी, साधु यानी शुद्धि का अवतार, आँख में, चेहरे में, चलते, बोलते, कोई भी प्रवृत्ति करते हो, उनकी हर क्रिया में साधुता के दर्शन होते हैं। जीवों का प्रतिपालक, सभी जीवों के लिए माता के समान, किसी जीव को दुःख न हो इस बात का विशेष ध्यान रखते है। हमें अरिहंत की भक्ति से मोक्षमार्ग की अपेक्षा रखनी है, सिद्ध की भक्ति स्वस्वरूप प्राप्ति की अपेक्षा रखनी है। आचार्य की भक्ति पंचाचार प्राप्ति की अपेक्षा रखनी है, उपाध्याय की भक्ति से विनय गुण की अपेक्षा रखनी है और साधु की भक्ति से मोक्षमार्ग की आराधना में सहायता की अपेक्षा रखनी है। आज दादावाड़ी ट्रस्ट के द्वारा ज्ञान वाटिका के ज्ञानार्थी बच्चों जिन्होंने पिछले दो माह से अनेक नियमों का पालन किया उन्हें ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्रकुमार रांका, अनिल भडकतिया, ललित डाकलिया, भरत कुमार जैन आदि ने प्रथम पुरस्कार विजेता तुषार धारीवाल, द्वितीय हित्वी कवाड और तृतीय पुरस्कार हुनर धारीवाल और टीशा जैन को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही अनेक बच्चों को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

माता की चौकी में गूंजा शेरांवाली का जयकारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शिवशक्ति जागरण समिति, उत्तरप्रदेश सेवा मंडल तथा जायसवाल समाज कर्नाटक के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को जेपी नगर के सारथी स्कूल के माता की चौकी 'माँ शेरावाली का दरबार' सजाया गया तथा भजन संध्या में माता रानी भजनों की प्रस्तुति दी गई। भजन संध्या की शुरुआत भजन गायिका पुष्पा जायसवाल ने की। भजन गायकों विनय पाण्डेय, सुरेश चौहान एवं प्रवीण मिश्रा ने माता के भजनों की प्रस्तुति से पूरे सभागार को भक्तिमय बना दिया।

इससे पूर्व पंडित रमाकांत मिश्र ने अपने सहयोगी पंडितों के साथ माता रानी का मनोहारी दरबार सजाया तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ समस्त देवी-देवताओं का आह्वान करते हुए माता की ज्योत प्रज्ज्वलित कराकर माता की चौकी का शुभारंभ कराया। समिति के चेयरमैन बिजयचंद पाण्डेय, सचिव राजकपूर पाण्डेय, अमरेशकुमार शुक्ला, पंकजकुमार पाण्डेय, चन्द्रप्रकाश पाण्डेय, जायसवाल समाज के अध्यक्ष सभाजीत जायसवाल, उत्तरप्रदेश मंडल के पूर्व अध्यक्ष इन्द्रदत्त द्विवेदी ने सपत्नीक माँ जगदम्बा की पूजा-अर्चना की । मुख्य अतिथि के रुप में सारथी स्कूल के डायरेक्टर सुदर्शन, उत्तरप्रदेश मंडल के अध्यक्ष केके दुबे सहित अन्य भजन गायकों का सम्मान किया गया। इस मौके पर तीनों संस्थाओं के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

सरकार ने चीन पर निर्भरता कम करने को पॉकेट लाइटर के पुर्जों पर आयात प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने रविवार को पॉकेट लाइटर के पुर्जों पर आयात प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लगा दिया। यह कदम घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और चीन से आने वाली खेप पर निर्भरता कम करने में मदद करेगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय ने एक अधिसूचना में कहा, ''पॉकेट लाइटर, गैस से चलने वाले लाइटर, रिफिल न किए जाने वाले या रिफिल किए जाने वाले लाइटर के पुर्जों का आयात तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित है।'' सरकार 20 रुपए से कम कीमत वाले सिगरेट लाइटर के आयात पर पहले ही प्रतिबंध लगा चुकी है। सरकार ने घटिया सामान के आयात को रोकने और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए पिछले साल आग पैदा करने वाले लाइटर के लिए अनिवार्य गुणवत्ता मानक जारी किए थे। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जुलाई के दौरान लाइटर पुर्जों का आयात 38 लाख अमेरिकी डॉलर रहा था।

तेरापंथ भवन में शिशु संस्कार परीक्षार्थियों का किया गया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री उदितयशाजी के सान्निध्य में शिशु संस्कार परीक्षा में श्रेष्ठ अंक प्राप्त 90 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया । साध्वीश्री उदितयशाजी ने कहा कि बच्चों में मुमुक्षा भाव बढे,संस्कारों की पुष्टि हो। वह मां-बाप बच्चों के शत्रु है जो अपने बच्चों को संस्कारित नहीं करते। साध्वी श्री संगीतप्रभाजी ने बच्चों को प्रातः उठते ही नमस्कार महामंत्र का स्मरण करने की प्रेरणा दी।

बच्चे अपने खान-पान, रहन-सहन में जैनत्व को प्रमुखता दे। शांतिनगर एवं बन्नघट्टा के ज्ञानार्थी को शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने हेतु विशेष सम्मान किया गया। आंचलिक संयोजक माणक संचेती ने बच्चों को बधाई दी। सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने ज्ञानार्थियों एवं प्रशिक्षिकाओं के श्रम की सराहना की। सभा उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना, कोषाध्यक्ष प्रकाश कटारिया, तेरापंथ आंचलिक सहसंयोजक रजत बैद, मुख्य प्रशिक्षिका मंजू गन्ना, तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल, महिला मंडल के सदस्य उपस्थित थे। संचालन ज्ञानशाला संयोजिका नीता गादिया ने किया ।

रामायण और महाभारत है प्रेरणादायी कालजयी महाकाव्य : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के विशाल पंडाल में धर्मसभा को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि रामायण टीवी सीरियल के लिये उसके निर्माता रामानंद सागर ने इस पउम चरियं ग्रंथ का बहुत उपयोग किया है। पुणे के भांडारकर इंस्टिट्यूट में आज भी इस महाकाव्य की मूल प्रति सुरक्षित है। ऋषि वाल्मीकि की रामायण के बाद यह भारत देश का रामायण का दूसरा प्राचीन ग्रंथ हैं। भारतीय समाज का यह परम कर्तव्य है कि वह इधर उधर की बेहूदी चैनलों, खेलों और ओटीटी प्लेटफार्म के चक्कर में अपने सुनहरे भविष्य को बरबाद करने के बजाय प्राचीन भारतीय साहित्य का पठन पाठन करें। आज भी भारतीय साहित्य की प्रेरणादायी सामग्री इतनी प्रचुर मात्रा में सुरक्षित हैं, जिसे मात्र ऊपरी तौर पर ही टटोलने का प्रयास करें तब भी एक जिंदगी कम पडेगी।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वर ने कहा कि अनेक जैनाचार्यों ने जैन रामायण और जैन महाभारत के नाम से ऐतिहासिक महाकाव्यों की रचना की हैं। साहित्य की यह अमूल्य निधि है। जैन तथा वैदिक, दोनों परंपरा के रामायण और महाभारत ऐसे महाकाव्य हैं, जिनके आदर्श हमारी आधुनिक सामाजिक-पारिवारिक व्यवस्थाओं को मार्मिक मार्गदर्शन देते हैं। एक प्रकार से इन महाकाव्यों की बातें हर एक व्यक्ति के लिए जीवन का सुरक्षा कवच है। ये हमारे संस्कार और संस्कृति के जीवंत प्रतीक हैं। ये ऐतिहासिक घटनाक्रम इतनी महान् प्रेरणाओं से भरे हैं कि इनकी तुलना विश्व के किसी भी क्षेत्र की सभ्यता या परंपरा से नहीं हो सकती। नाईल वंश के जैनाचार्य विमलसूरी ने आज से दो हजार वर्ष पहले एक महाकाव्य की रचना की थी। पउम चरियं के नाम से महाराष्ट्रीय प्राकृत भाषा में रचा गया यह ऐतिहासिक महाकाव्य जैन रामायण है। 118 अध्यायों में समाविष्ट 8651 श्लोकों के इस महाकाव्य का ईस्वी सन् 1914 में जर्मनी के जानेमाने विद्वान् हर्मन जैकोबी ने अंग्रेजी में अनुवाद कर इसे लाखों विदेशियों तक पहुंचने का कार्य किया। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि नवपद के आयंबिल ओली पर्व की साधना चल रही है। दो सौ पचास से अधिक साधक नौ दिन की इस साधना में सम्मिलित हुए हैं।

दुर्गा पूजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के मागड़ी रोड-कामाक्षीपल्या में नवदुर्गा सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित दुर्गा पूजा दशहरा महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मुणोत ने कहा कि बुराई पर अच्छाई की विजय, अन्याय पर न्याय की विजय, असुरी शक्तियों पर दैविक शक्ति की विजय का पर्व है दशहरा। आयोजकों ने मुणोत का सम्मान किया ।

शिवकुमार बने अंतर्राष्ट्रीय रेशम उत्पादन आयोग के महासचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय रेशम बोर्ड के सदस्य सचिव पी शिवकुमार को वर्ष 2025-27 के कार्यकाल के लिए अंतर्राष्ट्रीय रेशम उत्पादन आयोग (आईएससी) के महासचिव के रूप में चुना गया। रोमानिया के बुखारेस्ट में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रेशम उत्पादन आयोग के 27वें सम्मेलन में उनका चयन हुआ।

आईएससी संयुक्त राष्ट्र से संबद्ध अंतरसरकारी संगठन है जो रेशम उद्योग के वैश्विक विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

इस मौके पर पी. शिवकुमार ने अपनी नियुक्ति पर सभी को धन्यवाद दिया।

बाबा सिद्दीकी की हत्या का राजनीतिकरण न करें : उपमुख्यमंत्री अजित पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या का राजनीतिकरण न किया जाए और राज्य सरकार दोषियों को सजा मिलने तक चैन से नहीं बैठेगी।

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री सिद्दीकी (66) को मुंबई में बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके विधायक पुत्र जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर शनिवार रात को तीन लोगों ने गोली मार दी थी। उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस चौंकाने वाली घटना के बाद विपक्ष ने महाराष्ट्र सरकार पर निशाना सधा और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाया। राज्य में अगले महीने विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।

अजित पवार रविवार को मुंबई के कूपर अस्पताल पहुंचे, जहां बाबा सिद्दीकी का पोस्टमार्टम किया गया। उन्होंने कहा कि राकांपा बाबा सिद्दीकी की मौत से बहुत दुखी है जो ऐसे नेता थे जिन्हें काफी लोग बहुत प्यार करते थे और व्यक्तिगत रूप से उन्होंने एक प्रिय मित्र को खो दिया है जिसे वह वर्षों से जानते थे।

राकांपा नेता ने अस्पताल का दौरा करने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारा दिल टूट गया है और इस घटना की क्रूरता से उबरने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यह सिर्फ एक राजनीतिक क्षति नहीं है, यह एक गहरी व्यक्तिगत त्रासदी है जिसने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है।'' उन्होंने कहा, ''मैं सभी से दृढ़तापूर्वक आग्रह करता हूं कि वे इस भयावह घटना का राजनीतिकरण न करें। यह विभाजन का या राजनीतिक लाभ के लिए दूसरों की पीड़ा का फायदा उठाने का समय नहीं है। फिलहाल, हमारा ध्यान न्याय सुनिश्चित करने पर होना चाहिए।'' उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हत्या के दोषियों को सजा दिलाने तक चैन से नहीं बैठेगी। पवार ने कहा, हम बाबा सिद्दीकी के परिवार के अपार दुख को समझते हैं, जिन्हें सबसे बड़ी क्षति हुई है।

महाराष्ट्र की जनता राजनीतिक परिवर्तन के लिए उत्सुक है : शरद पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र के लोग राजनीतिक बदलाव के लिए उत्सुक हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी राज्य विधानसभा चुनाव के नतीजों में यह भावना प्रतिबिंबित होगी।

ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि महा विकास आघाडी (एमवीए) के घटक दल संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे का फॉर्मूला घोषित कर सकते हैं। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने संवाददाता सम्मेलन में जोर देकर कहा कि मुख्यमंत्री पद का चेहरा पेश करना विपक्षी गठबंधन की तत्काल प्राथमिकता नहीं है।

पटोले का यह रुख शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे की मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की मांग से अलग है। महा विकास आघाडी (एमवीए) के अन्य घटकों के नेताओं के साथ यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पवार ने दावा किया कि महायुति शासन के तहत राज्य प्रशासन का मनोबल गिर गया है जबकि महाराष्ट्र प्रशासन को देश में सर्वश्रेष्ठ माना जाता था। उन्होंने कहा, ''हम लोगों को वर्तमान सरकार से मुक्ति दिलाना चाहते हैं और मुझे विश्वास है कि वे हमारा समर्थन करेंगे।'' उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में एमवीए लोकसभा चुनाव जैसा प्रदर्शन दोहराएगा। विपक्षी दलों ने कहा कि राकांपा नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या राज्य के लिए चौंकाने वाली और शर्मनाक है तथा दावा किया कि मुंबई में अराजकता की स्थिति है।

महायुति में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भाजपा और अजित पवार नीत राकांपा शामिल हैं।

आगामी राज्य विधानसभा चुनाव के लिए एमवीए के मुख्यमंत्री पद के चेहरे पर एक सवाल के जवाब में ठाकरे ने कहा कि चुनाव में विपक्षी गठबंधन और सत्तारूढ़ महायुति के बीच मुकाबला होगा। उन्होंने कहा, ''महायुति को अपना मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने दें, एमवीए भी उसका अनुसरण करेगा।''

शक्तिसैट मिशन 108 देशों की 12 हजार लड़कियों को प्रशिक्षित करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष क्षेत्र से जुड़े स्टार्टअप स्पेस किड्ज इंडिया ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पर 108 देशों की लगभग 12,000 लड़कियों को प्रशिक्षित करने के लिए एक वैश्विक मिशन 'शक्तिसैट' शुरू किया है। इसका लक्ष्य सरकारी अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के चंद्रयान-4 मिशन के तहत एक उपग्रह का प्रक्षेपण करना है, जिससे अंतरिक्ष अन्वेषण में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

कंपनी के एक बयान के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नवंबर, 2024 में शक्तिसैट के आधिकारिक पोस्टर का अनावरण करेंगी। शक्तिसैट मिशन की अगुवाई कर रही श्रीमति केसन ने पीटीआई-भाषा से कहा, इस मिशन में हाई स्कूल की छात्राओं (14-18 वर्ष की आयु) के लिए 120 घंटे का ऑनलाइन प्रशिक्षण शामिल है, जिसमें उन्हें अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, पेलोड विकास और अंतरिक्ष यान प्रणालियों के विभिन्न पहलुओं के बारे में सिखाया जाएगा। भाग लेने वाले देशों में ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ब्राजील, केन्या, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ग्रीस, श्रीलंका और अफगानिस्तान आदि शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि मिशन का लक्ष्य प्रत्येक भाग लेने वाले देश से 108 छात्रों को शामिल कर प्रतिभा को निखारना, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना और अंतरिक्ष विज्ञान की विशाल संभावनाओं में रुचि जगाना है।

दशहरा

मैसूरु में रविवार को मट्टीगोडु हाथी शिविर में 58 वर्षीय हाथी अभिमन्यु के महावत और दशहरा हाथियों के कप्तान जेएस वसंत आराम के मूड में दिखे। अभिमन्यु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जंबू सवारी में नेतृत्व किया। रविवार को मैसूरु दशहरा उत्सव के समाप्ति के बाद मैसूरु पैलेस में टेंट के कर्मचारी कुर्सी उठाते हुए दिखे वहीं सफाई कर्मी साफ सफाई में लगे दिखे। वहीं दशहरा समाप्त होने के बाद भी मैसूरु वासी रविवार को छुट्टी के दिन शहर में लगी लाइटिंग आदि देखने के लिए उमड़े।

बाबा सिद्दीकी की हत्या से महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था की खराब स्थिति का पता चलता है : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था की खराब स्थिति को दर्शाती है। खरगे ने कहा कि जनता आगामी चुनाव में राज्य की सत्तारूढ़ गठबंधन सरकार को सबक सिखाएगी। राकांपा नेता एवं महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी को शनिवार को मुंबई में तीन व्यक्तियों ने गोली मार दी, जिसके बाद दो हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया।

खरगे ने अपने गृहनगर कलबुर्गी में संवाददाताओं से कहा, यह स्पष्ट है कि महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से विफल हो गई है, क्योंकि यह घटना सरेआम हुई। उत्तर कर्नाटक का यह जिला महाराष्ट्र की सीमा से सटा हुआ है।

खरगे के अनुसार, एक पखवाड़े पहले सिद्दीकी ने सरकार के साथ जानकारी साझा की थी कि उन पर हमला होने की आशंका है। कांग्रेस प्रमुख ने दावा किया कि सिद्दीकी ने पुलिस आयुक्त को भी इस बारे में सूचित किया था और बचेंगे या नहीं, इसको लेकर अपनी आशंका जतायी थी।

खरगे ने कहा, उन्हें (सिद्दीकी) कोई सुरक्षा क्यों नहीं दी गई? स्थिति इस स्तर तक क्यों पहुंची और अपराधियों को क्यों नहीं पकड़ा जा सका? इसका मतलब है कि वहां कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। खरगे ने आरोप लगाया कि सरकार ऐसी स्थिति में है, जहां तीन दल निर्णय ले रहे हैं और नौकरशाह इस बात को लेकर उलझन में हैं कि किसकी बात सुनें और किसकी नहीं।

उन्होंने कहा, वहां कानून-व्यवस्था की समस्या और खराब हो गई है। आगामी चुनाव में लोग उन्हें सबक सिखाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को मुंबई के बांद्रा इलाके में तीन व्यक्तियों ने सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या कर दी। इस मामले में दो हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

इस चौंकाने वाली घटना ने विपक्ष को राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल उठाने का मौका दे दिया, जहां अगले महीने विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। पुलिस ने बताया कि कांग्रेस के पूर्व नेता सिद्दीकी (66) को हमले के बाद लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि सिद्दीकी पर उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के निर्मल नगर, बांद्रा पूर्व में कोलगेट मैदान के पास स्थित कार्यालय के बाहर हमला किया गया। सिद्दीकी ने बांद्रा (पश्चिम) सीट का विधानसभा में तीन बार प्रतिनिधित्व किया था। मुंबई के एक प्रमुख मुस्लिम नेता सिद्दीकी को कई बॉलीवुड सितारों का करीबी भी माना जाता था।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को सवदत्ती, बेलगावी में श्री रेणुका यल्लम्मा मंदिर में पूजा की।

खरगे के बेटे ने नागरिक सुविधा केंद्र के लिए पांच एकड़ जमीन आवंटन का अनुरोध वापस लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट के अध्यक्ष राहुल एम. खरगे ने 'बहु-कौशल विकास केंद्र, प्रशिक्षण संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र' स्थापित करने के लिए बेंगलूरु में पांच एकड़ जमीन के आवंटन के अपने अनुरोध को वापस ले लिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे राहुल खरगे का यह कदम कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण को 14 भूखंड वापस लौटाने के बाद आया है। लोकायुक्त पुलिस ने इस मामले को लेकर सिद्दरामय्या, उनकी पत्नी और एक रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

भाजपा के आईटी विभाग के प्रभारी अमित मालवीय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में भूखंड आवंटन पर सवाल उठाया और इसे सत्ता का दुरुपयोग, ''भाई-भतीजावाद और हितों का टकराव'' करार दिया।भाजपा के राज्यसभा सदस्य लहर सिंह सिरोया ने भी 'एक्स' पर एक पोस्ट में फैसले पर सवाल उठाते हुए कहा, ''खरगे परिवार कब से एयरोस्पेस उद्यमी बन गया कि केआईएडीबी की जमीन के लिए पात्र हो गया? क्या यह सत्ता के दुरुपयोग, भाई-भतीजावाद और हितों के टकराव का मामला नहीं है?''

मल्लिकार्जुन खरगे के छोटे बेटे एवं कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने अपने 'एक्स' हैंडल पर एक पत्र की प्रति साझा कर बताया कि भूखंड आवंटन का अनुरोध वापस ले लिया गया है। बीस सितंबर को कर्नाटक औद्योगिक विकास बोर्ड (केआईएडीबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को लिखे पत्र में राहुल खरगे ने लिखा कि बहु-कौशल विकास केंद्र, प्रशिक्षण संस्थान एवं अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए भूखंड आवंटन के हमारे अनुरोध को वापस ले लिया गया है।

उन्होंने कहा कि सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट का उद्देश्य छात्रों और बेरोजगार युवाओं के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल विकास के माध्यम से रोजगार के अधिक अवसर पैदा करना है। राहुल खरगे ने कहा कि ट्रस्ट ने केआईएडीबी औद्योगिक क्षेत्र के भीतर एक भूखंड को प्राथमिकता दी क्योंकि यह उच्च विकास वाले उद्योगों के निकट है और इससे युवाओं के लिए बेहतर अवसर सृजित होते।

उन्होंने बताया, सिद्धार्थ विहार ट्रस्ट एक सार्वजनिक शैक्षिक, सांस्कृतिक और धर्मार्थ ट्रस्ट है, न कि एक निजी व्यक्ति या परिवार द्वारा संचालित ट्रस्ट। इसके तत्वावधान में स्थापित सभी संस्थान 'गैर-लाभकारी' हैं।

कर्नाटक के भाजपा सांसदों ने राज्य के लोगों को धोखा दिया : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को प्रदेश के भाजपा सांसदों पर केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी को लेकर हो रहे 'अन्याय' के खिलाफ आवाज नहीं उठाने के लिए निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने लोगों से राज्य के साथ हो रहे इस 'अन्याय' के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य को 6,498 करोड़ रुपये मिले हैं, जबकि उत्तर प्रदेश को 31,987 करोड़ रुपये मिले हैं, जो दोनों राज्यों की केंद्रीय करों में हिस्सेदारी के बीच बहुत बड़ा अंतर दर्शाता है।

उन्होंने कहा, ''लोगों को कर्नाटक के साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की जरूरत है। केंद्र का समर्थन करने वाले भाजपा नेता राज्य के लोगों को धोखा दे रहे हैं, चाहे वह प्रह्लाद जोशी हों या कोई और।'' उन्होंने कहा, ''कर्नाटक से बहुत से सांसद गये हैं। उन्हें अपनी आवाजी उठाने की जरूरत है, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।'' उन्होंने कहा कि राज्य को पांच वर्षों में केंद्रीय करों में हिस्सेदारी में 60,000 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है।

इस मामले में सरकार के अगले कदम के बारे में पूछे जाने पर, सिद्दरामय्या ने कहा कि वह अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ इस पर चर्चा करेंगे। शनिवार को इस मुद्दे पर एक बयान में सिद्दरामय्या ने सवाल उठाया, अपने खराब शासन के लिए बदनाम उत्तर प्रदेश को 31,962 करोड़ रुपये, बिहार को 17,921 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश को 13,987 करोड़ रुपये और राजस्थान को 10,737 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

उन्होंने कहा, कर्नाटक के पसीने और मेहनत से उन राज्यों का विकास क्यों होना चाहिए जो कुशासन के कारण पिछड़ गए हैं। हुब्बली के अल्पसंख्यक समुदाय के दंगाइयों को क्षमादान देने के कैबिनेट के फैसले पर सिद्दरामय्या ने कहा कि जब भाजपा सत्ता में थी तब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कई नेताओं को भी रिहा किया गया था। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने बृहस्पतिवार को हुब्बली शहर में 16 अप्रैल 2022 को पुलिसकर्मियों पर पथराव करने वाली भीड़ के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला वापस लेने का फैसला किया।

सबरीमला में 'स्पॉट' बुकिंग नहीं होगी, सभी श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे : मंत्री वासावन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के देवस्वोम मंत्री वी.एन. वासावन ने रविवार को स्पष्ट किया कि सबरीमला में 'स्पॉट' (मौके पर) बुकिंग नहीं होगी लेकिन साथ ही आश्वस्त किया कि वार्षिक मंडलम-मकरविलक्कु तीर्थयात्रा के दौरान भगवान अयप्पा मंदिर आने वाला कोई भी श्रद्धालु दर्शन से वंचित नहीं रहेगा। यह आश्वासन तब दिया गया है जब एक दिन पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी वार्षिक तीर्थाटन के दौरान सबरीमला मंदिर में केवल वर्चुअल' कतार बुकिंग प्रणाली के माध्यम से दर्शन की अनुमति देने के फैसले को लेकर आंदोलन करने की धमकी दी थी। 'वर्चुअल' कतार प्रणाली के तहत, तीर्थयात्री सबरीमाला मंदिर की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अपने दर्शन टिकट और प्रसाद ऑनलाइन बुक कर सकते हैं।

'स्पॉट' बुकिंग में तीर्थयात्री देवस्वोम बोर्ड द्वारा चिह्नित केंद्रों पर अपने दर्शन की बुकिंग कर सकते हैं। विपक्षी कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) भी सरकार से 'वर्चुअल' कतार प्रणाली के साथ ही 'स्पॉट' बुकिंग बनाए रखने का अनुरोध कर रहा है। वासावन ने कहा कि सबरीमला मंदिर का प्रबंधन करने वाली शीर्ष संस्था त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के अध्यक्ष ने हाल ही में आश्वासन दिया था कि मंदिर में आने वाले सभी तीर्थयात्री भगवान अयप्पा के दर्शन कर सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सबरीमला में 'स्पॉट' बुकिंग की अनुमति नहीं होगी लेकिन मंदिर मार्ग पर प्रतीक्षालयों में तीर्थयात्रियों के लिए दर्शन का समय बुक करने के वास्ते अक्षय केंद्र बनाए जाएंगे।

एनजीटी ने बरसाती नालों में अवरोधक और बेंगलूरु की झीलों में अतिक्रमण पर अधिकारियों को नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने बेंगलूरु की दो झीलों के संबंध में लोकायुक्त द्वारा दी गई उस रिपोर्ट पर बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) के मुख्य आयुक्त और अन्य अधिकारियों से जवाब मांगा है जिसमें बरसाती नालों में अवरोधक और अतिक्रमण को प्रमुख मुद्दा बताया गया है।

एनजीटी लोकायुक्त की जांच के संबंध में समाचार पत्र में प्रकाशित हुई उस खबर का स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है जिसमें बेंगलूरु के विभूतिपुरा और डोड्डानेकुंडी झीलों में कई समस्याएं पाई गई थीं। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव की पीठ ने हाल ही में दिए गए एक आदेश में कहा, समाचार में बताया गया है कि विभूतिपुरा झील में अधिकारियों ने प्रवेश द्वार क्षतिग्रस्त पाया, बाड़ नष्ट मिली तथा परिसर के भीतर अवैध निर्माण भी पाए गए।

उन्होंने कहा, पानी निकासी अवरुद्ध होने के कारण बरसात के मौसम में भी झील का जल स्तर कम रहा। अतिक्रमण और सुविधाओं के दुरुपयोग पर भी ध्यान दिया गया।

इसके अलावा, यह पाया गया कि डोड्डानेकुंडी झील में भी इसी तरह की समस्याएं हैं। पीठ में न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति अरुण कुमार त्यागी और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल भी शामिल थे।

पीठ ने कहा, ''समाचार पत्र में प्रकाशित हुई यह खबर जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दे उठाता है।''

बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त, बेंगलूरु जल आपूर्ति एवं सीवरेज बोर्ड के अध्यक्ष, कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिवों तथा बेंगलूरु के जिलाधिकारी को हरित निकाय द्वारा प्रतिवादी और पक्षकार बनाया गया है। न्यायाधिकरण ने बताया कि जिलाधिकारी के वकील ने नोटिस स्वीकार कर लिया है तथा जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा है। उसने कहा, अन्य प्रतिवादियों को अगली सुनवाई की तारीख (5 नवंबर) से कम से कम एक सप्ताह पहले चेन्नई में एनजीटी की दक्षिणी क्षेत्रीय पीठ के समक्ष हलफनामे के माध्यम से अपना जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया गया।

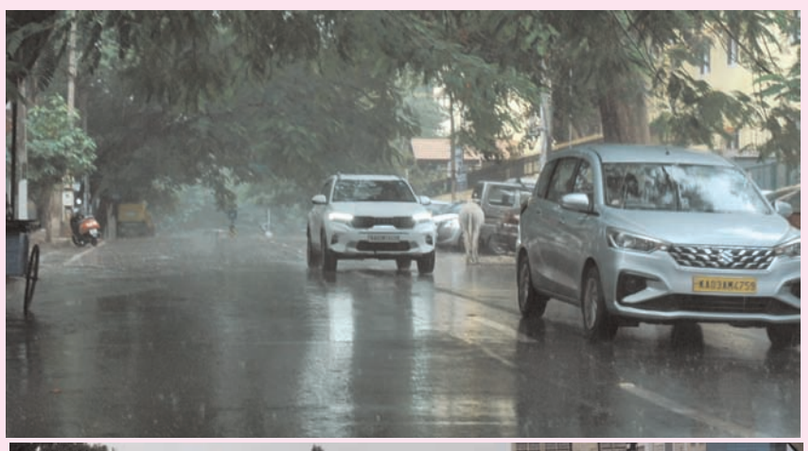

समाहांत

बेंगलूरु में रविवार को विधानसौधा में सप्ताहांत की भीड़ देखी गई। बेंगलूरु में लम्बी छुट्टी का रविवार को आखिरी दिन रहा। वहीं रविवार को सायं आई बारिश ने शहर में ठंडक घोल दी। शहर के कई हिस्सों में बारिश हुई।

विप्रो दूसरी तिमाही के नतीजों से पहले बोनस शेयर जारी करने पर विचार करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। आईटी कंपनी विप्रो ने रविवार को कहा कि उसका निदेशक मंडल 16-17 अक्टूबर, 2024 को होने वाली बैठक में बोनस शेयर जारी करने पर विचार करेगा। विप्रो 17 अक्टूबर, 2024 को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा करने वाली है। विप्रो ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी का निदेशक मंडल 16-17 अक्टूबर, 2024 को होने वाली अपनी बैठक में बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर विचार करेगा। बेंगलूरु मुख्यालय वाली कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ जून तिमाही में सालाना आधार पर 4.6 प्रतिशत बढ़कर 3,003.2 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान राजस्व 3.8 प्रतिशत घटकर 21,963.8 करोड़ रुपये रह गया।

विद्यारंभम : विजया दशमी पर केरल में छोटे बच्चों का अक्षरों की दुनिया में पदार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल में रविवार को विजया दशमी के अवसर पर मंदिरों में विद्यारंभम' अनुष्ठान आयोजित कर छोटे बच्चों का परिचय अक्षरों से कराया गया। विद्यारंभम नौ-दिवसीय वार्षिक नवरात्र उत्सव के समापन का प्रतीक है। इस दक्षिणी राज्य में विजया दशमी को 'विद्यारंभम', अर्थात शिक्षा के प्रारंभ के दिन के रूप में मनाया जाता है। रीति-रिवाज के अनुसार, विद्वान, लेखक, शिक्षक, पुजारी और समाज के अन्य प्रमुख व्यक्ति राज्य भर के मंदिरों और सांस्कृतिक केंद्रों में बच्चों को, आमतौर पर दो से तीन वर्ष की आयु के बच्चों को, 'हरि श्री गणपतये नमः' मंत्र के साथ उनका पहला अक्षर लिखवाते हैं।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने यहां राजभवन में कई बच्चों को अक्षर ज्ञान की शिक्षा दी, जहां समारोह के लिए व्यापक प्रबंध किए गए थे। खान ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, दुनिया भर के केरलवासियों को विजया दशमी की हार्दिक शुभकामनाएं। उन सभी बच्चों को मेरी शुभकामनाएं जो विद्यारंभम- अक्षर और ज्ञान की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी अपने आवास पर बच्चों को अक्षर और ज्ञान की दुनिया से परिचित कराया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं और सीखने का माहौल बनाया जाना चाहिए, क्योंकि शिक्षा और ज्ञान सामाजिक प्रगति में योगदान देने वाले कुछ मुख्य कारक हैं। विधानसभा अध्यक्ष ए.एन. शमशीर और राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने भी बच्चों को अक्षरों की दुनिया से परिचित कराया। कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य शशि थरूर भी यहां बच्चों को अक्षरों की दुनिया से रू-ब-रू कराते नजर आए। केरल के दिवंगत मुख्यमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज नेता ओमन चांडी के बेटे चांडी ओमन भी यहां एक मंदिर में बच्चों को अक्षरों की दुनिया से परिचित कराते देखे गए। राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने भी अपने घर पर बच्चों को अक्षरों की दुनिया से परिचित कराया। इस अनुष्ठान के लिए बड़ी संख्या में माता-पिता अपने बच्चों को लेकर मंदिर पहुंचे थे। इस अवसर पर मंदिरों, विशेषकर विद्या और कला की देवी सरस्वती को समर्पित मंदिरों में भारी भीड़ देखी गई।

तमिलनाडु ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच में सौराष्ट्र पर शिकंजा कसा

कोयंबटूर। चेतेश्वर पुजारा केवल छह गेंद खेलने के बाद शून्य पर आउट हो गए जिससे सौराष्ट्र की टीम रविवार को यहां रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मैच में दूसरी पारी में पांच विकेट पर 35 रन गंवाकर जूझते हुए तमिलाडु से 129 रन से पिछड़ रही है। सत्र के पहले मैच के तीसरे दिन तमिलनाडु के बायें हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने सौराष्ट्र के खिलाफ तूफानी गेंदबाजी करते हुए नौ ओवर में पांच मेडन से सात रन देकर चार विकेट झटक लिये जिससे मेहमान टीम स्टंप तक जूझ रही थी।

तमिलनाडु ने सौराष्ट्र के पहली पारी में 203 रन के जवाब में 367 रन बनाकर 164 रन की बढ़त हासिल की। तमिलनाडु ने तीन विकेट पर 278 रन से आगे खेलना शुरू किया।

जयदेव उनादकट ने 24 ओवर में 61 रन देकर छह विकेट चटकाये। गुरजपनीत ने पुजारा को शिकार बनाया जिन्होंने पहली पारी में 16 रन बनाए थे। अर्पित वासवडा 15 और शेल्डन जैक्सन पांच रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे।

एसआई भर्ती परीक्षा रद्द नहीं करने की मांग को लेकर शहीद स्मारक पर विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021 में चयनित अभ्यर्थियों के परिजनों ने परीक्षा रद्द नहीं करने की मांग को लेकर रविवार को यहां शहीद स्मारक पर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सरकार को अनुचित तरीकों से परीक्षा पास करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए लेकिन परीक्षा रद्द करना निर्दोष अभ्यर्थियों के साथ अन्याय होगा। परिजनों ने हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर परीक्षा रद्द नहीं करने को लेकर नारेबाजी की और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिलने का समय मांगा।

परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि परीक्षा आयोजित करने वाले राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) और अनुचित तरीकों से परीक्षा देने वालों की गलतियों का खामियाजा उन्हें क्यों भुगतना पड़े। छह मंत्रियों की मंत्रिमंडलीय समिति को परीक्षा रद्द करने या न करने का फैसला लेना है। परीक्षा में 800 से अधिक अभ्यर्थी चयनित हुए थे और पुलिस अकादमियों में प्रशिक्षण ले रहे थे। इनमें से 50 प्रशिक्षु उपनिरीक्षक गिरफ्तार किए जा चुके हैं। राजस्थान पुलिस की विशेष शाखा (एसओजी) मामले की जांच कर रही है।

पैट्रोल डालने पर भी नहीं जल पाए रावण, विधायक हुए नाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केकड़ी। केकड़ी जिला मुख्यालय पर दशहरा पर्व के अंतर्गत रावण, कुम्भकरण और मेघनाथ के पुतले दहन का कार्यक्रम तमाशा बनकर रह गया। लाख जतन करने पर भी ये पुतले नहीं जल पाए, जिस पर उन्हें पैट्रोल डालकर जलाने की भी कोशिश की गई। मगर फिर भी पुतले पूरे नहीं जले। यह नजारा देखकर लोगों ने नगर परिषद के अधिकारियों व पुतले बनाने वाले ठेकेदार को कोसते हुए व्यवस्थाओं का जमकर मजाक उड़ाया। उधर समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद क्षेत्रीय विधायक शत्रुघ्न गौतम भी इस अजीबोगरीब स्थिति से हक्के बक्के रह गए। वे बुरी तरह उखड़ गए और उन्होनें अधिकारियों व ठेकेदार को जमकर खरी खोटी सुनाई।

केकड़ी जिला मुख्यालय पर नगर परिषद के तत्वावधान में आयोजित विजयादशमी पर्व में हर वर्ष की तरह दशहरा मनाने व रावण दहन देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग पटेल मैदान पर जमा हो गए। मैदान पर रावण का 51 फिट एवं कुम्भकरण व मेघनाथ के 35-35 फिट के पुतले भी शान से खड़े दिखाई दिए। रघुनाथजी महाराज की शोभायात्रा के पश्चात पटेल मैदान पर विजयादशमी पर्व की शुरुआत की गई।

उत्सव के अंतर्गत विजयवर्गीय समाज के लोगों द्वारा रामचरितमानस की प्रमुख चौपाइयों का अनुवाद करते हुए राम कथा के विभिन्न दृष्टांतो सीताहरण, जटायु वध, लक्ष्मण मूर्छा, लंका दहन व रावण वध का सजीव मंचन किया। सब लीला पूरी हो जाने के बाद रावण व अन्य पुतलों के दहन का समय आया, मगर फिर मानो मैदान पर रावण की लीला शुरू हो गई और पुतलों ने जलने से इंकार कर दिया। सभी प्रकार के प्रयास कर लेने पर भी रावण, कुम्भकरण व मेघनाथ के पुतले नहीं जल पाए। सबसे पहले कुम्भकर्ण के पुतले का दहन शुरू किया गया। लेकिन काफी प्रयास करने के बावजूद पुतला नही जला। इसके बाद कुम्भकरण को छोड़कर मेघनाद के पुतले को जलाने की कोशिश की, मगर वह भी नही जला। काफी कोशिश करने के बाद पुतला धीरे-धीरे जलता रहा। फिर भगवान राम बने पात्र ने अग्नि बाण चला कर रावण के पुतले को अग्नि के हवाले करने की रस्म पूरी की। मगर फिर रावण का पुतला जलाने के जतन भी असफल हो गए। इसके बाद पेट्रोल मंगाया गया, मगर पांच लीटर पेट्रोल छिड़क देने के बाद भी रावण का पुतला नहीं जल सका। यह नजारा देख लोगो में अप्रसन्नता व्याप्त हो गई और भीड़ ने शोर मचाना शुरु कर दिया। काफी प्रयास करने के बाद तीनों पुतले धीरे-धीरे सुलगते रहे। इसके बीच ही मुहूर्त का समय हो जाने से औपचारिकता पूरी करते हुए विधायक शत्रुघ्न गौतम सहित अन्य अतिथियों ने विभीषण का राजतिलक कर दिया। इसके बाद भगवान रघुनाथ की आरती की गई। तब तक भी तीनों पुतले अधजले ही सुलगते रहे। इस वाकये की शहर में व्यापक चर्चा हुई और लोग जिम्मेदार लोगों की कड़ी निंदा करते देखे गए। दशहरा पर्व में रावण, कुम्भकरण व मेघनाथ के पुतले बनाने का ठेका डेढ़ लाख रुपयों में फतेहपुर सीकरी के कफील अहमद फारुकी एवं उनकी टीम के सदस्यों को दिया गया था तथा रावण दहन के दौरान आतिशबाजी का ठेका 75 हजार रुपयों में बूंदी के रऊफ खान एवं उनकी टीम को दिया गया था।

कार्यक्रम स्थल पटेल मैदान पर पुतले नहीं जलने से विधायक शत्रुघ्न गौतम अत्यधिक नाराज हुए तथा पुतले बनाने वाले ठेकेदार सहित नगर परिषद के कर्मचारियों को जमकर खरी-खोटी सुनाई गई। विधायक गौतम ने झल्लाकर यहां तक कहा कि पुतलों का दहन होना आवश्यक है। अब इन्हें चाहे जैसे जलाओ। मगर तमाम कोशिशों के बावजूद न कुम्भकरण जला न मेघनाथ और न ही रावण। प्रति वर्ष विजयादशमी पर्व नगर परिषद की ओर से आयोजित किया जाता है, लेकिन इस बार एक भी अधिकारी कार्यक्रम में मौजूद नहीं था।

'अलाई-बलाई' लोक में व्याप्त परंपराओं का अनूठा पर्व है : वागड़े

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने रविवार को हैदराबाद में आयोजित अलाई-बलाई पर्व में भाग लिया। बागड़े ने इस अवसर पर तेलंगाना के इस विशेष सामाजिक पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे लोक में इस तरह मिल जुल कर त्योंहार मनाने की परंपरा रही है। बंडारू दत्तात्रेय जी ने लोक संस्कृति को फिर से जीवंत किया है। उन्होंने कहा कि वह कोई भी कार्य करते हैं, पूर्ण लगन और उत्साह से करते हैं। यह त्योहार जन भावना और परस्पर मेल मिलाप की लोक की भारतीय परंपरा का अनूठा उदाहरण है।

राज्यपाल ने बाद में कहा कि हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की पहल पर प्रारंभ यह उत्सव तेलंगाना की त्योंहार परंपरा का आज महत्वपूर्ण हिस्सा हो गया है। उन्होंने 'अलाईबलाई' को परस्पर प्रेम, सद्भाव बढ़ाने वाला बताते हुए कहा कि पर्व पर प्रदर्शित तेलंगाना के पारंपरिक पर्वों की झांकियों को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि 'अलाई-बलाई' हमें हमारी परंपराओं को आगे बढ़ाने की सामूहिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है।

उल्लेखनीय है कि राज्यपाल बागड़े सहित देश के विभिन्न अन्य राज्यों के राज्यपाल, मंत्री, राजनीतिज्ञ और विशिष्ट जन इस समारोह में भाग लेने हैदराबाद में एकत्र हुए हैं।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े की रविवार को हैदराबाद स्थित राजभवन में तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा से मुलाकात हुई। वर्मा ने बागड़े का अभिनंदन करते हुए उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मान स्वरूप प्रतीक चिन्ह भी प्रदान किया। इस दौरान दोनों ने विभिन्न संवैधानिक और विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। इन दोनों की यह शिष्टाचार भेंट थी।

भगवान राम का जीवन हमें सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है : ओम बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भगवान राम का जीवन और दर्शन हमें सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। वह कोटा में 131वें राष्ट्रीय दशहरा मेला को संबोधित कर रहे थे, जहां शनिवार शाम को विजया दशमी के अवसर पर रावण का 80 फुट ऊंचा पुतला फूंका गया। बिरला इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा, भगवान राम ने आदर्श जीवन जीया और समाज के वंचित एवं गरीब वर्ग को अपने साथ लिया। उन्होंने अपने 14 साल के वनवास के दौरान उनके (वंचितों एवं गरीबों के) जीवन को बदलने के लिए काम किया और अंततः अहंकारी रावण को मार डाला।

कोटा-बूंदी से सांसद बिरला ने कहा, भगवान राम का जीवन और दर्शन हमें सत्य के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करता है। इस समारोह में रावण के भाई कुंभकर्ण और बेटे मेघनाद के 60 फुट ऊंचे पुतले भी हरित पटाखों का इस्तेमाल कर फूंके गए। इस अवसर पर राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, विधायक संदीप शर्मा, महापौर राजीव भारती और कोटा दशहरा मेला समिति के अध्यक्ष विवेक राजवंशी भी मौजूद रहे।

उपचुनाव के लिए भाजपा की तैयारी, नड्डा लगाएंगे प्रत्याशियों के नाम पर अंतिम मुहर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में इन सात सीटों के लिए उपचुनाव की तारीखों की घोषणा कभी भी हो सकती है, और भाजपा ने इसके लिए अपनी तैयारियों को पूरी तरह से अंतिम रूप देने का काम शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री आवास पर हुई कोर कमेटी की लगभग दो घंटे लंबी बैठक में प्रत्याशियों के पैनल पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इसके बाद, भाजपा के वरिष्ठ नेता दिल्ली के लिए रवाना हुए, जहां आज रात राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा के नेतृत्व में बैठक होगी और पैनल पर अंतिम मुहर लगेगी।

इससे पहले, भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने मीडिया से कहा कि उपचुनाव को लेकर गांव से लेकर शहर तक, हर स्तर पर चर्चा की गई है और प्रत्याशियों के नाम जल्द ही सार्वजनिक किए जाएंगे।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने महाराष्ट्र में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या पर चिंता जताई और कहा कि ऐसी घटनाएं निंदनीय हैं। वहीं, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने बताया कि कोर कमेटी में प्रत्याशियों के नामों पर व्यापक चर्चा हुई है और अब दिल्ली में इन नामों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए राठौड़ ने कहा कि ब्यूरोक्रेसी पर कांग्रेस का नियंत्रण उनके भ्रष्टाचार को छिपाने की कोशिश है।

उन्होंने कहा कि भाजपा पारदर्शी प्रशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है और कांग्रेस की ओर से लगाए जा रहे आरोप बेबुनियाद हैं। एसआई भर्ती मामले पर राठौड़ ने कहा कि इस मामले में दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए, और जिन्हें अनुचित तरीके से पद मिले हैं, उनके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। वहीं, जिन्हें अन्याय का सामना करना पड़ा है, उन्हें न्याय दिलाया जाएगा। भाजपा उपचुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंकते हुए प्रत्याशियों के चयन के बाद तेजी से चुनाव प्रचार में जुटने के लिए तैयार है।

'ऑनर रन' में दौड़े सेना के जवान व नागरिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में जयपुर में भारतीय सेना के शूरवीरों के सम्मान में 'ऑनर रन' के तहत आयोजित दौड़ में 500 से अधिक सेना के जवान और अन्य गणमान्य नागरिकों ने पूरे उत्साह से भाग लिया। सैन्य प्रवक्ता कर्नल अमिताभ शर्मा ने रविवार को बताया कि 'एक दौड़ शूरवीरों के नाम' विषय पर आधारित इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय सेना के शूरवीरों के साहस और बलिदान को सम्मानित करना और साथ ही फिटनेस एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल हरबिन्दर सिंह वन्द्रा ने धावकों को ध्वज दिखाकर रवाना किया।

उन्होंने बताया कि यह दौड़ विजय द्वार, वैशाली नगर से शुरू होकर गाण्डीव स्टेडियम पर समाप्त हुई। प्रसिद्ध मैराथन चैम्पियन अनीता जानू ने भी इस आयोजन में भाग लिया और धावकों का मार्गदर्शन किया। साथ ही जयपुर के धावकों में 'जयपुर रनर्स' के सह संस्थापक रवि गोएनका और मुकेश मिश्रा सहित जयपुर रनर्स के अध्यक्ष प्रवीण तिजारिया सहित अन्य धावक शामिल हुए।

कर्नल शर्मा ने बताया कि यह आयोजन केवल एक फिटनेस कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशभक्ति और शूरवीरों के प्रति सम्मान का प्रतीक बना। यह दौड़ भारतीय सेना के वीरों को सम्मान देने और फिटनेस को बढ़ावा देने के प्रयास का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनी। इस दौड़ में सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक शामिल रहे।

उन्होंने बताया कि इसके सफल आयोजन के साथ ही दिसम्बर में होने वाली प्रतिष्ठित 'ऑनर रन' की तैयारियां भी जोरों पर हैं। 'एक दौड़ शूरवीरों के नाम' विषय पर आधारित इस ऑनर रन का उद्देश्य भारतीय सेना के शूरवीरों और उनके परिवारों को सम्मानित करना है। मुख्य 'ऑनर रन' में 21, 10 और पांच किलोमीटर की समयबद्ध श्रेणियां होंगी, जबकि तीन किलोमीटर की बिना समय सीमा के दौड़ भी आयोजित की जाएगी।

रावण दहन का वंशज मनाते शोक, स्नान कर बदलते हैं जनेऊ

जोधपुर/दक्षिण भारत । राजस्थान की सांस्कृतिक राजधानी जोधपुर के मंडोर से रावण का पुराना रिश्ता रहा है। रावण की पत्नी मंदोदरी के पीहर के रूप में विख्यात मंडोर को रावण के ससुराल के रूप में जाना जाता है। मंडोर में आज भी बकायदा रावण और मंदोदरी की चंवरी मौजूद है। यही नहीं जोधपुर में रहने वाले रावण के वंशजों ने जोधपुर में रावण और मंदोदरी का मंदिर भी बनाया है जिन्हें रावण के वंशज आज भी पूजते हैं।

यही वजह है कि हर साल की तरह विजयादशमी के दिन रावण के वंशज दशहरे के कार्यक्रम में शरीक नहीं हुए और हमेशा की तरह इस बार भी शोक मनाया। रावण दहन के बाद में स्नान करके जनेऊ भी बदले। शायद ही किसी को पता होगा कि जोधपुर में रावण का एक ऐसा मंदिर भी है जहां बकायदा रावण के वंशज उनकी पूजा अर्चना करते हैं, यहां तक की विजयादशमी के दिन जब रावण का दहन होता है तो वह रावण दहन नहीं देखते बल्कि रावण दहन के बाद उसका शोक मनाते हैं।

जहां एक ओर पूरा देश असत्य पर सत्य की जीत के लिए खुशी मना रहा था और एक दूसरे को बधाइयां दे रहा था, वहीं यहां कुछ लोग शोक में डूब जाते हैं। ये कोई और नहीं बल्कि रावण के वंशज हैं जो विजयदशमी के दिन रावण दहन के बाद पहले स्नान करते हैं फिर रावण मंदिर में आरती और पूजा अर्चना करते हैं। सबसे बड़ी बात ये हैं कि ये लोग रावण के साथ-साथ भगवान राम की भी पूजा करते हैं।

स्टेज ऐप पर दिखेगी राजस्थानी वेब सीरीज 'हुंकार'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। टीवी सीरियल बालिका वधू, कुछ रंग प्यार के ऐसे भी, दीया और बाती हम, बाबा ऐसो वर ढूंढो, रंगरसिया, भाभी जी घर पर हैं के अलावा कई फेमस सीरियल की कहानी लिखने वाले लेखक रघुवीर शेखावत इन दिनों स्टेज ऐप पर रिलीज होने वाली राजस्थानी वेब सीरीज 'हुंकार' की शूटिंग जयपुर में कर रहे हैं। रघुवीर शेखावत ने बताया- हुंकार वेब सीरीज में दो लड़कियों की दोस्ती के साथ-साथ नारी शक्ति की कहानी गढ़ी गई है। इसमें एक लड़की गलत राह पर चल पड़ती है और वह माफियाओं और बड़े पॉलिटिशियन के चंगुल में फंस जाती है। जिसके बाद दोनों माफियाओं के खिलाफ हुंकार भरती हैं। कहानी बेहद इंटरस्टिंग है। उम्मीद है दर्शकों को काफी पसंद आएगी।

रघुवीर शेखावत ने कहा- हुंकार वेब सीरीज के माध्यम से हमारा यही प्रयास है कि हम राजस्थान की माटी और यहां की खुशबू, रंग, कल्चर देश-दुनियां के लोगों के सामने लेकर आ सकें। उन्होंने कहा- मेरे दिल में तमन्ना थी कि मुंबई में बहुत कुछ कर लिया है और अब राजस्थान में करना है। इस तमन्ना को पूरा करने के लिए मैं राजस्थानी सिनेमा में अपना योगदान देने के लिए मुंबई से यहां आया हूँ। हम राजस्थानी सिनेमा को एक बड़े पटल पर ले जाने की कोशिश करेंगे।

शेखावत ने बताया- वेब सीरीज की शूटिंग राजस्थान के जयपुर की जा रही है। इसके बाद सीकर के भारिजा गांव में शूटिंग होगी। जयपुर में कई हवेलियों, हॉस्पिटल व चौपालों पर शूटिंग की जा चुकी है। वेब सीरीज में जयपुर के साथ-साथ प्रदेश के उभरते कलाकारों वेब सीरिज में लिया गया है।

हुंकार वेब सीरीज में मुख्य किरदार में राजस्थान की सुपरस्टार अभिनेत्री नीलू वाघेला नजर आएंगी। नीलू वाघेला राजस्थानी सिनेमा में अपने काम के लिए जानी जाती हैं। उन्हें स्टार प्लस पर प्रसारित होने वाले धारावाहिक दीया और बाती हम, सीक्रल तू सूरज में सांझ, पियाजी में संतोष अरुण राठी उर्फ भाभो की भूमिका के लिए भी जाना जाता है।

इसके अलावा अलीशा सोनी भी हुंकार में नजर आएंगी। अलीशा सोनी, अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा के साथ 'दहाड़' वेब सीरीज में काम कर चुकी हैं। साथ ही कई और बड़ी वेब सीरीज में भी काम किया है। इसके अलावा मेरे साईं, सजन रे झूठ मत बोलो सीरियल में मुख्य किरदार निभाने वाले एक्टर सुकेश आनंद सहित कई फेम एक्टर सीरीज में नजर आएंगे।

रघुवीर शेखावत ने- नई पड़ोसन, एक चालीस की लास्ट लोकल फिल्म के साथ ही वेब सीरीज के लिए भी लिखा। साल 2021 में दादा साहब फाल्के टीवी अवार्ड जीतने वाले एक्टर, राइटर और प्रोड्यूसर रघुवीर शेखावत 100 से ज्यादा शो लिखने वाले वर्ल्ड के पहले लेखक है। 2016 में लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी इनका नाम दर्ज हो चुका है।

दिवाली से पहले बोनस की सौगात, हर कर्मचारी को मिलेंगे 6774 रुपए

जयपुर। राजस्थान में भजनलाल सरकार ने प्रदेश के कर्मचारियों को दीपावली पर बड़ी सौगात दी है। सीएम भजनलाल शर्मा ने राज्य कर्मचारियों को दीपावली के उपहार के रूप में तदर्थ बोनस देने का अनुमोदन कर दिया है। इससे राज्य सरकार के लगभग छह लाख कर्मचारी लाभान्वित होंगे। राज्य सेवा के अधिकारियों को छोड़कर, राज्य कर्मचारियों को, जो राजस्थान सिविल सेवा (पुनरीक्षित वेतन) नियम, 2017 के पे-मैट्रिक्स के पे लेवल एल-12 या ग्रेड पे-4800 और उससे कम में वेतन आहरित कर रहे हैं, उन्हें वर्ष 2023-24 के लिए तदर्थ बोनस स्वीकार किया गया है।

तदर्थ बोनस की गणना अधिकतम परिलब्धियां 7000 रुपए और 31 दिन के माह के आधार पर की जाएगी। तदर्थ बोनस 30 दिन की अवधि के लिए देय होगा। इसके अनुसार प्रत्येक कर्मचारी को अधिकतम 6774 रुपए तदर्थ बोनस देय होगा, जिसमें से 75 प्रतिशत राशि नकद व 25 प्रतिशत राशि कर्मचारी के सामान्य प्रावधायी निधि खाते में जमा की जाएगी। तदर्थ बोनस का अतिरिक्त वित्तीय भार लगभग 500 करोड़ रुपए होगा। तदर्थ बोनस पंचायत समिति व जिला परिषद कर्मचारियों को भी देय होगा। उल्लेखनीय है कि दो दिन पहले ही केंद्र की मोदी सरकार ने केंद्रीय कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया था।

हजारों करोड़ रुपये के निवेश से बदलेगी राजस्थान में नगरीय विकास की तस्वीर

जयपुर। राजस्थान के शहरी विकास की दिशा में सोमवार, 14 अक्टूबर का दिन खास होगा। जयपुर के होटल आईटीसी राजपूताना शेरेटन में सोमवार को प्रातः 9 बजे राइजिंग राजस्थान के तहत नगरीय विकास विभाग की प्रीइंवेस्टमेंट समिट का आयोजन नगरीय विकास मंत्री झाबर सिंह खर्रा की अध्यक्षता में किया जाएगा। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने बताया कि राइजिंग राजस्थान, राज्य के अभूतपूर्व, समावेशी और सतत आर्थिक एवं सामाजिक विकास तथा लोगों के कल्याण के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी की दिशा में राज्य का मिशन है। उन्होंने बताया कि मंत्री झाबर सिंह खर्रा की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली प्रीइंवेस्टमेंट समिट में दुनियाभर के निवेशक शिरकत करेंगे।

बंगाल : भाजपा ने प्रदर्शनकारी कनिष्ठ चिकित्सकों को अपना समर्थन दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई ने रविवार को एक बयान जारी करके राज्य में जारी कनिष्ठ चिकित्सकों के विरोध प्रदर्शन को समर्थन देने की घोषणा की और पार्टी कार्यकर्ताओं से इस प्रदर्शन में शामिल होने का आह्वान किया।

कनिष्ठ चिकित्सक करीब दो महीने पहले कोलकाता के सरकारी आर. जी.कर चिकित्सा महाविद्यालय और अस्पताल में महिला प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के मामले में न्याय सहित अन्य मांगों को लेकर धरना दे रहे हैं। कोलकाता और सिलीगुड़ी में आमरण अनशन कर रहे तीन कनिष्ठ चिकित्सकों को तबीयत खराब होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। चिकित्सकों का अनशन रविवार को नौवें दिन में प्रवेश कर गया।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने प्रदर्शन कर रहे चिकित्सकों का पूरा समर्थन करने का वादा करते हुए आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल सरकार 16 सितंबर को चिकित्सा प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उपस्थिति में हुई बैठक के दौरान बनी सहमति से पीछे हट रही है।

मजूमदार ने बयान में कहा, ''भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कनिष्ठ चिकित्सकों को अपना पूरा समर्थन देती है।आर. जी. कर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ हुए जघन्य दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या के बाद प्रदर्शनकारी चिकित्सकों की मांगें जायज हैं और उन्हें पूरा किया जाना चाहिए।''

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार चिकित्सकों की मांगों को पूरा करने के अपने वादे से पीछे हट रही है। उन्होंने कहा कि सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को बड़ी संख्या में चिकित्सकों के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है और राज्य के लोगों से इस आंदोलन का हिस्सा बनने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''हमें अपने चिकित्सकों की रक्षा करनी है और पश्चिम बंगाल को उन नकारात्मक ताकतों से बचाना है जो इस समय राज्य के मामलों को नियंत्रित कर रही हैं।''

मजूमदार और पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी सहित कई भाजपा नेताओं ने पहले भी कनिष्ठ चिकित्सकों के आंदोलन को समर्थन दिया था, लेकिन इसमें सीधे तौर पर भाग नहीं लिया था क्योंकि चिकित्सकों और नागरिक समाज के अन्य प्रदर्शनकारी सदस्यों ने बार-बार अपने आंदोलन को गैर-राजनीतिक बनाने का आह्वान किया था।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं को मुफ्त में 'महाप्रसाद' वितरित करने की योजना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ मंदिर में 'महाप्रसाद' श्रद्धालुओं को मुफ्त में वितरित करने की योजना बना रही है। राज्य के विधि मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने रविवार को यह जानकारी दी।

हरिचंदन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि जल्द ही इस योजना को मूर्त रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुफ्त में महाप्रसाद वितरित करने के फैसले को लागू करने पर सरकार को सालाना 14 से 15 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। हरिचंदन ने कहा, ''हम आर्थिक रूप से संपन्न कुछ श्रद्धालुओं को इस योजना से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ पहले ही इस पहल में सहयोग को सहमत हो चुके हैं।'' मंत्री ने कहा कि इस पहल को पवित्र उड़िया महीने 'कार्तिक' के बाद लागू किये जाने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार, 'कार्तिक' माह के दौरान विशिष्ट अनुष्ठान करने वाली महिलाओं 'हबिसयाली' के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। हरिचंदन ने कहा, ''हमने सार्वजनिक दर्शन (जगन्नाथ मंदिर) को सुव्यवस्थित करने के लिए एक योजना बनानी शुरू की है। एक समर्पित प्रणाली स्थापित की जाएगी ताकि श्रद्धालुओं को 12वीं सदी के मंदिर में आने में कोई परेशानी न हो।''

जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार की तकनीकी सर्वेक्षण रिपोर्ट जल्द जारी होने की उम्मीद: ओडिशा के मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने रविवार को कहा कि पुरी के जगन्नाथ मंदिर में रत्न भंडार की तकनीकी सर्वेक्षण रिपोर्ट जल्द ही जारी होने की संभावना है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने सितंबर में यह कवायद की थी, जिसमें रत्न भंडार (भगवान जगन्नाथ के खजाने का कक्ष) का ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रेडार (जीपीआर) सर्वेक्षण भी शामिल था। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''राज्य सरकार को अगले तीन से चार दिनों में जीपीआर सर्वेक्षण रिपोर्ट मिल जाएगी...अगर कीमती सामान का कोई छिपा हुआ भंडार पाया जाता है, तो हम आवश्यक कार्रवाई करेंगे। अन्यथा, एएसआई रत्न भंडार की मरम्मत और जीर्णोद्धार का काम शुरू कर देगा।'' रत्न भंडार को 46 साल के अंतराल के बाद जुलाई में खोला गया था, ताकि कीमती सामानों की सूची का जायजा लिया जा सके और रत्न भंडार की मरम्मत की जा सके। खजाने के आंतरिक और बाहरी कक्षों से आभूषण और अन्य मूल्यवान वस्तुओं को मरम्मत कार्य के लिए मंदिर के अंदर एक अस्थायी स्ट्रांग रूम में संग्रहीत किया गया है।

हरिचंदन ने कहा कि जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने और सूची तैयार होने के बाद कीमती सामान को रत्न भंडार में वापस रखा जाएगा।

नागरिकों के जीवन में खुशहाली लाने को प्रतिबद्ध राज्य सरकार : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर, (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार किसी के भी साथ अन्याय न होने देने और हर नागरिक के जीवन में खुशहाली लाने को प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर में रविवार को जनता दर्शन के दौरान लोगों से मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, जनता दर्शन में योगी ने अधिकारियों को दो टूक हिदायत दी है कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं तथा उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग किन्हीं कारणों से सरकार की योजनाओं के लाभ से वंचित हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाया जाए।

योगी ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान करीब 300 लोगों से मुलाकात की।

गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने कुर्सियों पर बैठे लोगों तक वह खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों

को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतोषजनक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या के समाधान के लिए कृत संकल्प है। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में हर बार की भांति इस बार भी कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। जनता के ऐसे प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने इलाज से जुड़ी प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को भी पूरी पारदर्शिता एवं निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने के निर्देश दिये।

उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर में धर्म परिवर्तन के आरोप में दो लोग हिरासत में

सुलतानपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में रविवार को अंधविश्वास के सहारे कथित तौर पर धर्म परिवर्तन कराने की कोशिश कर रहे दो लोगों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि पंडित रामकिशोर त्रिपाठी कालोनी में दीपा मौर्या नाम की महिला के घर में धर्म परिवर्तन कराये जाने की सूचना मिली।

पुलिस ने बताया कि गौ रक्षा वाहिनी के अध्यक्ष सर्वेश सिंह ने पुलिस को सूचना दी कि घर में 40 से 45 महिलाएं और पांच से सात पुरुष एकत्र हुए थे और जब उन्हें धर्म परिवर्तन से रोका गया तो उन्होंने दुर्व्यवहार करना शुरू कर दिया। नगर के क्षेत्राधिकारी (सीओ) प्रशांत सिंह ने बताया कि सालविन एवं सैनी को हिरासत में लिया गया, जो ईसाई धर्म का प्रचार-प्रसार कर वहां लोगों को धर्म परिवर्तन करने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इस मामले में उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम की धारा में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

भागवत के बयान और सरकार के काम में बड़ा अंतर: कपिल सिब्बल

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के विजयादशमी पर संबोधन के एक दिन बाद राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने रविवार को कहा कि भागवत के बयान और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-नीत सरकार के जमीनी स्तर पर किये जा रहे कार्यों में बड़ा अंतर है।

आरएसएस प्रमुख ने शनिवार को कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत अधिक मजबूत हुआ है तथा विश्व स्तर पर उसकी साख बढ़ी है, लेकिन कई तरह के षड्यंत्र देश के संकल्प की परीक्षा ले रहे हैं। भागवत के संबोधन का जिक्र करते हुए सिब्बल ने कहा, ''मोहन भागवत ने विजयादशमी पर अच्छा बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस देश में देवता बंटे हुए हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए, संत बंटे हुए हैं, ऐसा नहीं होना चाहिए। यह विभिन्न धर्मों और भाषाओं का देश है।'' उन्होंने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''महर्षि वाल्मीकि ने रामायण लिखी थी, इसलिए सभी हिंदुओं को वाल्मीकि दिवस मनाना चाहिए। ऐसा क्यों नहीं हो रहा है? उन्होंने कहा कि जब तक सद्भाव कायम रहेगा, यह कायम रहेगा। मैं उनके बयान का स्वागत करता हूं। लेकिन मैं कुछ सवाल पूछना चाहता हूं, आरएसएस उस सरकार का समर्थन करता है, जो आपके बयान के खिलाफ काम करती है।''

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 2014 के बाद समाज में कई विभाजन हुए हैं और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया तथा उन पर बुलडोजर चलाए गए। सिब्बल ने कहा कि 'लव जिहाद' और 'फ्लड जिहाद' की अवधारणाओं पर बात हो रही है। सांसद ने कहा, ''मैं आरएसएस से पूछना चाहता हूं कि जब ऐसी घटनाएं होती हैं तो वह सवाल क्यों नहीं उठाता? लोग दूसरों की नागरिकता पर संदेह करते हैं। कई विवादास्पद बयान दिए जाते हैं, आरएसएस सवाल क्यों नहीं उठाता।'' उन्होंने कहा कि देश और उसके नागरिकों, विशेषकर अल्पसंख्यकों और वाल्मीकि समुदाय के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है, जो 'डर के साये में जी रहे हैं।'

कानपुर में हाल की ट्रेन दुर्घटनाओं में कोई आतंकवादी पहलू सामने नहीं आया : पुलिस

कानपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में साबरमती एक्सप्रेस के पटरी से उतरने और कालिंदी एक्सप्रेस को पटरी से उतारने की कोशिश समेत हाल में हुए ट्रेन संबंधी हादसों में पुलिस की जांच में किसी आतंकवादी मंशा या वारदात की पुष्टि नहीं हुई है।

पुलिस जांच से पता चला है कि ट्रेन के पटरी से उतरने और अन्य रेलगाड़ियों को नुकसान पहुंचाने की कोशिशें दरअसल शरारती हरकतें थीं, लेकिन अधिकारियों ने इसे गंभीर प्रकृति के मामले माना है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी) राजेश कुमार सिंह ने रविवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि गत 17 अगस्त को साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी से उतरने और आठ सितंबर को ट्रेन के सामने रसोई गैस सिलेंडर रखे जाने के मामले की जांच में किसी आतंकवादी घटना की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा, ''हाल में रेल की पटरियों पर खंभा, गैस सिलेंडर और अग्निशामक यंत्र समेत कई खतरनाक वस्तुएं रखे जाने की घटनाएं सामने आयी हैं लेकिन अभी तक हुई जांच में उनके पीछे कोई आतंकी मंशा सामने नहीं आयी है।'' गत 17 अगस्त को अहमदाबाद जाने वाली साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन का इंजन कानपुर के गोविंदपुरी रेलवे स्टेशन के पास पटरी पर रखी किसी चीज से टकरा गया था। उसके बाद ट्रेन के 20 डिब्बे पटरी से उतर गए थे, हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ था।

असम: दुर्गा पूजा पंडालों की प्रतिमाओं को अपवित्र करने के आरोप में एक गिरफ्तार

गोलाघाट/भाषा। असम के गोलाघाट जिले में दो दुर्गा पूजा पंडालों में प्रतिमाओं को अपवित्र करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की मानसिक स्थिति ठीक न होने का संदेह है। एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति पर शनिवार रात को आनुष्ठानिक समारोह समाप्त होने के बाद गोलाघाट पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत रोंगाजन और मोरोंगी क्षेत्रों में पूजा पंडालों में प्रतिमाओं को तोड़ने का संदेह है। उन्होंने बताया कि व्यक्ति आदिवासी समुदाय से है। अधिकारी ने कहा, ''इस बात की जांच की जा रही है कि घटना में और लोग शामिल थे या नहीं। गिरफ्तार व्यक्ति की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने का संदेह है।''

ईवीएम को लेकर कांग्रेस के सवालों पर निर्वाचन आयोग को स्पष्टीकरण देना चाहिए : सिब्बल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने रविवार को कहा कि निर्वाचन आयोग को हाल में संपन्न हरियाणा विधानसभा चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए गए सवालों पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। सिब्बल ने कहा कि उनका मानना है कि चुनावों में ईवीएम का दुरुपयोग होता है।

कांग्रेस ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए मतगणना के दौरान ईवीएम में विसंगतियों का आरोप लगाते हुए शिकायतें सौंपी थीं। राज्य के 20 विधानसभा क्षेत्रों के कांग्रेस उम्मीदवारों ने निर्वाचन आयोग को दी गई अपनी लिखित शिकायत में आरोप लगाया है कि

आठ अक्टूबर को मतगणना के दौरान कुछ ईवीएम की बैटरी 99 प्रतिशत चार्ज थीं।

कांग्रेस की ये शिकायतें ऐसे वक्त आई हैं, जब पार्टी को हरियाणा में भाजपा से हार का सामना करना पड़ा। भाजपा ने हरियाणा में शानदार जीत दर्ज कर लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की है। विपक्षी दल के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर सिब्बल ने कहा, ''कांग्रेस ने ईवीएम के बारे में जो सवाल उठाए हैं, वह निर्वाचन आयोग को इसके सबूत दे रही है। मुझे इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन निर्वाचन आयोग को इस पर स्पष्टीकरण देना चाहिए। मुझे लगता है कि ईवीएम का दुरुपयोग होता है, यह किस हद तक होता है, मुझे नहीं पता।'' कांग्रेस के पूर्व नेता ने कहा, ''मैं शुरू से ही इसके (ईवीएम के) खिलाफ हूं। मैंने पहले भी कई बयान दिए हैं। जो अस्पष्ट है, उसे स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।'' कांग्रेस ने हरियाणा विस चुनाव के परिणाम को ''अप्रत्याशित'' बताते हुए कुछ सीट पर ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने एक पोस्ट में कहा, ''नौ अक्टूबर को कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने निर्वाचन आयोग को शिकायतें सौंपी थीं। हमने एक अद्यतन ज्ञापन दिया है, जिसमें हरियाणा के 20 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव प्रक्रिया में गंभीर और स्पष्ट अनियमितताओं को रेखांकित किया गया है। हमें उम्मीद है कि आयोग इस पर संज्ञान लेगा और उपयुक्त निर्देश जारी करेगा।''

उत्तर प्रदेश : बैंक लूट का आरोपी गिरफ्तार, 30 लाख रुपए से ज्यादा की नकदी बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फर नगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में पुलिस ने एक निजी बैंक की शाखा से 36 लाख रुपए लूटने के आरोपी को रविवार को गिरफ्तार कर उसके पास से 30 लाख रुपए से ज्यादा की नकदी बरामद कर ली। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

सहारनपुर परिक्षेत्र के पुलिस उप महानिरीक्षक अजय कुमार साहनी ने संवाददाताओं को बताया कि एक अक्टूबर को शामली जिले में एक्सिस बैंक की एक शाखा से 36 लाख रुपए लूट लिए गये थे। उन्होंने बताया कि इस मामले में पुलिस ने अमरजीत नाम के बदमाश को उसके गांव लिलोन में गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने अमरजीत के पास से लूटे गये करीब 30 लाख रुपए, दो पिस्तौल और एक मोटरसाइकिल भी बरामद की। साहनी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम को 50 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा की गयी है।

मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है : विकेटकीपर संजू सैमसन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष स्तर की क्रिकेट में दबाव और असफलताओं के साथ जीना सीख लिया है तथा उन्होंने टीम प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया जिसने उन्हें विषम परिस्थितियों से बाहर निकलने और खुद को साबित करने के लिए एक और मौका दिया।

सैमसन ने अपनी योग्यता के साथ पूरा न्याय करते हुए बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा लेकिन इससे पहले का उनका सफर अच्छा नहीं रहा था।

वह श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे जबकि बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती दो मैच में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था।

सैमसन ने मैच के बाद संवाददाताओं से कहा,''श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता नहीं खोलने के बाद मुझे अगली शृंखला में मौका मिलने को लेकर थोड़ा संदेह था। लेकिन उन्होंने (कोचिंग स्टाफ और कप्तान) मुझ पर भरोसा बनाई रखा। वे कहते रहे कि वे समर्थन करना जारी रखेंगे।''

इस 29 वर्ष के खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि भारत की तरफ से खेलते हुए आप दबाव से मुक्त नहीं हो सकते। उन्होंने कहा,''मुझे लगता है कि एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मानसिक रूप से आप बहुत कुछ झेलते हैं, खासकर इस प्रारूप (टी20) में। लेकिन मैंने

दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है। मुझे लगता है कि इसका काफी श्रेय ड्रेसिंग रूम, नेतृत्व समूह, कप्तान और कोच को जाना चाहिए जिन्होंने मेरा समर्थन करना जारी रखा।''

सैमसन ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें बांग्लादेश शृंखला के दौरान सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने के टीम प्रबंधन के फैसले के बारे में पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा,''मैं भाग्यशाली था कि गौतम भाई, सूर्यकुमार (यादव) और अभिषेक नायर (सहायक कोच) ने तीन सप्ताह पहले ही मुझे सूचित कर दिया था कि बांग्लादेश के खिलाफ मैं पारी की शुरुआत करूंगा। इससे मुझे उचित तैयारी करने में मदद मिली।''

सैमसन ने कहा,''इसके बाद मैं राजस्थान रॉयल्स अकादमी में गया और मैंने वहां नई गेंद के गेंदबाजों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। इससे मुझे मदद मिली। मुझे लगता है कि मैं इस शृंखला में किसी भी अन्य शृंखला की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक तैयार होकर आया था।'' सैमसन ने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर स्पष्टता से उन्हें अपने खेल को लेकर अधिक जागरूकता हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने कहा,''मैं अपने खेल को अच्छी तरह से समझता हूं कि मैं एक से लेकर छह नंबर तक किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकता हूं। मेरे पास बड़े शॉट लगाने के लिए जरूरी ताकत है और मेरी टाइमिंग भी अच्छी है। इसलिए यह सब मेरी भूमिका के अनुसार तैयारी करने से जुड़ा हुआ है।''

सैमसन ने कहा,''जब आप असफलताओं का सामना करते हैं तो यह कहना आसान होता है कि अगले मैच में मैं रन बनाऊंगा। लेकिन मैं जानता हूं कि मैं किस तरह का व्यक्ति हूं। मुझे अपनी तरह से सफल या असफल होना पसंद है। यह सब खुद के प्रति ईमानदार होने से जुड़ा है।''

वाशिंगटन ने हार्दिक पंड्या और रियान पराग को पीछे छोड़कर 'इम्पैक्ट फील्डर' पुरस्कार जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। भारत के युवा ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 शृंखला में शानदार क्षेत्ररक्षण करने के लिए भारतीय क्रिकेट टीम का 'इम्पैक्ट फील्डर' पुरस्कार हासिल किया। वाशिंगटन ने इस पुरस्कार की दौड़ में हार्दिक पंड्या और रियान पराग को पीछे छोड़ा। भारत के क्षेत्ररक्षण कोच टी दिलीप ने वाशिंगटन के क्षेत्ररक्षण में उत्कृष्ट सुधार की सराहना की और कहा कि वह क्षेत्ररक्षण करते समय एक अलग तरह के खिलाड़ी नजर आए।

भारत ने संजू सैमसन के बेहतरीन शतक की मदद से बांग्लादेश को शनिवार को यहां खेले गए तीसरे मैच में 133 रन से हराकर टी20 शृंखला 3-0 से जीती और इस तरह से टेस्ट और टी20 शृंखला में 5-0 से क्लीनस्वीप किया।

दिलीप के दावेदार नंबर एक पंड्या थे। क्षेत्ररक्षण कोच ने मैदान पर उनकी ऊर्जा की तुलना 'टॉप गियर में फॉर्मूला वन कार' से की। पराग किसी मुश्किल कैच को भी बेहद आसान बनाने के कारण दूसरे नंबर के दावेदार थे। लेकिन वाशिंगटन ने सीमा रेखा पर सटीक क्षेत्ररक्षण के दम पर इन दोनों को पीछे छोड़ दिया। उन्होंने

शृंखला में तीन कैच लपके और केवल पांच रन प्रति ओवर की शानदार इकॉनमी रेट के साथ गेंदबाजी की। वाशिंगटन ने जितेश शर्मा से पदक हासिल करने के बाद कहा,''यह सचमुच हैरानी भरा लगता है। मैं जब भी मैदान पर होता हूं तो अपना शत प्रतिशत योगदान देने का प्रयास करता हूं। स्थिति कैसी भी हो प्रत्येक खिलाड़ी मैदान पर अपना योगदान दे सकता है। मैं इस पुरस्कार के लिए आभारी हूं। मैं दिलीप सर और सहयोगी स्टाफ के अन्य सदस्यों का आभार व्यक्त करता हूं।'' भारत अब 16 अक्टूबर को बेंगलूरु में शुरू होने वाली तीन टेस्ट मैचों की घरेलू शृंखला में न्यूजीलैंड से भिड़ेगा। इसके बाद भारत की सीमित ओवरों की टीम अगले महीने चार मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय शृंखला खेलने के लिए द. अफ्रीका का दौरा करेगी।

सुविचार

जिंदगी हमेशा आपको दूसरा मौका देती है, इसलिए अपनी असफलता को खुद पर हावी ना होने दें!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बांग्लादेश: कब सुरक्षित होंगे अल्पसंख्यक?

बांग्लादेश में हाल के वर्षों में दुर्गापूजा के दौरान जिस तरह से अल्पसंख्यकों पर हमलों की घटनाएं हुईं, उससे पता चलता है कि इस पड़ोसी देश में उपद्रवियों का दुस्साहस बढ़ता जा रहा है। जब शेख हसीना बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं, तब कुछ उम्मीद थी कि वे अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगी। अब मुहम्मद यूनुस के राज में जो कुछ हो रहा है, उससे तो ऐसा लगता है कि उन्होंने पूरे बांग्लादेश के उपद्रवियों को खुली छूट दे दी है। यूनुस ढाकेश्वरी मंदिर जरूर गए और 'हर नागरिक के अधिकारों को सुनिश्चित' करने के लिए उपदेशों से भरा भाषण दे आए, लेकिन उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई करने संबंधी कड़ी चेतावनी देने से बचते रहे। वे अपनी छवि एक शांतिपुरुष और बुद्धिजीवी जैसी बनाकर रखना चाहते हैं। उनके भाषणों और बयानों से यही झलकता रहता है कि 'क्या होना चाहिए', बस वे इस बात को लेकर मौन हैं कि 'अब तक क्या किया'! संभवत: मुहम्मद यूनुस को डर है कि अगर उन्होंने सख्ती दिखाई तो उनके साथ वही हो सकता है, जो शेख हसीना के साथ हुआ था। बांग्लादेश के ही एक दैनिक अखबार ने बताया था कि पुराने ढाका के टाटी बाजार इलाके में एक दुर्गापूजा पंडाल पर कथित तौर पर देसी बम फेंका गया। इससे कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि उपद्रवियों में कानून का खौफ क्यों नहीं है? पुलिस के पास अपने इलाके के हर बदमाश की कुंडली होती है। ऐसी हरकतें कौन कर सकता है, यह पता लगाना उसके लिए कोई बहुत मुश्किल काम नहीं है। जब वहां हर साल हिंदुओं पर हमले हो रहे थे तो पुलिस ने सावधानी क्यों नहीं बरती? सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम क्यों नहीं किए गए?

बांग्लादेश के सतखीरा जिला स्थित एक मंदिर से तो हस्तनिर्मित स्वर्ण मुकुट चोरी हो गया! वह प्रधानमंत्री मोदी की ओर से उस मंदिर को भेंट किया गया था। आखिर बांग्लादेश की एजेंसियां क्या कर रही हैं? वहां जिस तरह अल्पसंख्यकों को सताया जा रहा है, उनके पूजा स्थलों का अपमान किया जा रहा है, वह अत्यंत निंदनीय है। क्या बांग्लादेश सरकार इन घटनाओं से सबक लेकर अपने सभी अल्पसंख्यकों और उनके पूजा स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की कोशिश करेगी? कहने को तो अब तक दर्जनभर मामले दर्ज कर कुछ लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। जब ये लोग राहत पाकर जेल से बाहर आ जाएंगे तो फिर कोई बखेड़ा करेंगे। दीपावली, क्रिसमस, मकर संक्रांति, होली ... समेत कई त्योहार आने वाले हैं, जिनके आयोजनों में उपद्रवी रंग में भंग डाल सकते हैं। बांग्लादेश सरकार को चाहिए कि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए सख्त कानून बनाए। जो उपद्रवी उनके त्योहारों में खलल डालने की कोशिश करें, उन पर भारी जुर्माना लगाने के साथ ही उन्हें कई साल के लिए जेल भेजे। वहीं, भारत सरकार को अपना किरदार और मजबूती से निभाना होगा। बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों के लिए उम्मीद की एकमात्र किरण भारत है। हाल में वहां जो कुछ हुआ, बहुत दुर्भाग्यपूर्ण रहा। जिस देश को आज़ाद करवाने के लिए हमारे सैनिकों ने लहू दिया था, जिस देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए हमने सहयोग दिया था, आज उसी के कुछ लोग भारतविरोधी बयान दे रहे हैं! ये बांग्लादेशी भूल गए, अगर भारत ने इन्हें आज़ाद नहीं करवाया होता तो आज रावलपिंडी के जनरल इनकी छाती पर मूंग दल रहे होते। भारत ने इनके प्रति काफी नरमी दिखा दी, जिससे ये अपने बयानों और हरकतों के नतीजों को लेकर गंभीर नहीं हैं। कुछ समय पहले मालदीव के तेवर भी खासे तीखे थे, लेकिन जब खजाना खाली होने लगा तो मुइज़्ज़ू को आटे-दाल का भाव पता चल गया। भारत को बांग्लादेश के प्रति अपने रवैए में सख्ती लानी होगी। बांग्लादेशियों को साफ-साफ समझाना होगा कि अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न, भारतविरोधी बयानबाजी के बाद यह उम्मीद न रखें कि दिल्ली से आपके लिए ठंडी हवाएं आएंगी।

ट्वीटर टॉक

बाड़मेर जिले के मीठी नाड़ी धनाऊ निवासी, मां भारती के वीर सपूत भारतीय सेना तोपख़ाने के जवान दाऊ प्रजापत जी के सेवा के दौरान तबियत ख़राब होने के कारण सैनिक अस्पताल में निधन की खबर अत्यंत दु:खद है।

-राज्यवर्धन सिंह राठौड़

महाराष्ट्र के नेता बाबा सिद्दीकी जी की हत्या की खबर से स्तब्ध हूं। सरेआम गोलीबारी एवं हत्या की यह घटना सीधे तौर पर कानून व्यवस्था की विफलता है। इस दु:ख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं।

-सचिन पायलट

पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक माननीय गुलाब चंद जी कटारिया जी को जन्म दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। राष्ट्र के लिए समर्पित आपके सुदीर्घ भावी जीवन में स्वास्थ्य, सुख और संतोष की कामना करती हूं।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

नारी का गुरुत्व

एक बार तुलसीदास जी के नारी को हठी तथा पराभव का कारक कहने पर कुछ समतावादी उनके रचे हुए पर काफी तीखी प्रतिक्रिया करने लगे। लोग उनके समीप जाकर उन पर आरोपण भी करने लगे कि तुलसीदास जी ने जानकी महिमा तो खूब गाई मगर बाकी नारियों का अपमान किया। इन आरोपों पर तुलसीदास जी ने अपने शांत भाव से कहा कि ऐसा नहीं है मैं तो नारी को अपना गुरु मानता हूं। आप सभी को विदित है कि मेरी अपनी पत्नी रत्नावली से ही मुझे अनंत प्रेम भी था और उसी ने तो मुझे फटकार कर सही राह भी सुझाई। अगर वह न होती तो जीवन में प्रबोधन न हो सकता था।

सामयिक

स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा को आगे बढ़ाएंगे नोएल टाटा

आर.के. सिन्हा

रतन टाटा के निधन के एक दिन बाद ही उनके सौतेले छोटे भाई नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का नया चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। टाटा ट्रस्ट के माध्यम से ही टाटा समूह परोपकारी कामों को करता है। पूरे देश की आशा है कि 76 वर्षीय नोएल टाटा अपने अग्रज के नक्शे कदमों पर चलते रहेंगे। वे नवल टाटा, जो रतन के पिता भी थे, और सिमोन टाटा के पुत्र हैं। वे टाटा ट्रस्ट सहित कई टाटा कंपनियों के बोर्ड में हैं। वह अब वे टाटा समूह के धर्मार्थ और लोक कल्याणकारी कार्यों का नेतृत्व करेंगे। वह टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड, वोल्टास और टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन के चेयरमैन और टाटा स्टील और टाइटन कंपनी लिमिटेड के उपाध्यक्ष हैं। उनकी छवि रतन की तरह ही धीर-गंभीर है। वह कोई बहुत खबरों में रहना पसंद नहीं करते। वह एक कर्मयोगी की तरह काम में लगे रहना पसंद करते हैं। रतन टाटा भी तो सुर्खियों से दूर ही रहना पसंद करते थे और एक शर्मीले अकेले व्यक्ति की सार्वजनिक छवि पेश करते थे।

रतन की तरह नोएल को भी अपने पिता नवल टाटा से बिजनेस की बारीकियों को जानने का मौका मिला। नवल टाटा भारतीय हॉकी संघ के अध्यक्ष भी रहे। नवल टाटा ने अपने एक निकट संबंधी सुनी टाटा से शादी की, लेकिन जब रतन और उनके छोटे भाई, जिमी, अभी भी बहुत छोटे थे, तब वे अलग हो गए। नोएल की मां सिमोन हैं। वह रतन टाटा की अंत्येष्टि में मौजूद थीं। उन्होंने सौंदर्य प्रसाधन की कंपनी लैक्मे को स्थापित किया था। सिमोन टाटा मूल रूप से स्विटजरलैंड से हैं। वह 1953 में जब भारत आईं तो यहां उनकी मुलाकात नवल एच. टाटा से हुई। उसके बाद दोनों शादी की। उन्होंने रतन टाटा और नोएल का पालन-पोषण किया।

बहरहाल, नोएल टाटा के ऊपर एक बड़ी जिम्मेदारी है कि वह रतन टाटा की विरासत को आगे लेकर जाएं। रतन टाटा ने टाटा ग्रुप को दुनिया के बड़े कोरपोरेट हाउस में तब्दील कर दिया था। रतन टाटा अपने ग्रुप के 1991 से 2012 तक अध्यक्ष रहे। इस दौरान टाटा ग्रुप के मुनाफे में 50 गुना वृद्धि हुई, जिसमें अधिकांश राजस्व विदेशों में जगुआर और लैंड रोवर वाहनों और टेटली चाय जैसे पहचाने जाने वाले टाटा उत्पादों की बिक्री से आया। रतन टाटा के नेतृत्व में उनके समूह का भारत में प्रभाव पहले से कहीं अधिक ही हुआ।

दरअसल रतन टाटा उन मूल्यों को प्रतिबिंबित करते थे जिनमें व्यावसायिकता, उद्यमशीलता और सभी हितधारकों के हितों को आगे बढ़ाने को लेकर एक प्रतिबद्धता का मिला जुला भाव होता है। उनके नेतृत्व में, टाटा ग्रुप ने कई चुनौतियों का सामना किया और लाभदायक विकास पर अधिक ध्यान देने के साथ हर बार मजबूत बनकर उभरी। बेशक, वह भारत के कॉरपोरेट जगत के सबसे सफल और सम्मानित नाम रहे। रतन टाटा ने वक्त रहते ही टाटा ग्रुप में अपने संभावित उत्तराधिकारियों को तैयार कर शुरू दिया था। यह तो सबको पता है कि हरेक व्यक्ति के सक्रिय करियर की आखिरकार एक उम्र है। उसके बाद तो उसे अपने पद को छोड़ना ही है, खुशी-खुशी छोड़े या मजबूरी में छोड़ना पड़े ख इसलिए बेहतर होगा कि किसी कंपनी का प्रमोटर, चेयरमेन या किसी संस्थान का जिम्मेदार पद पर आसीन शख्स अपना एक या एक से अधिक उत्तराधिकारी तैयार कर ले। बेहतर उत्तराधिकारी मिलने से किसी कंपनी या संस्थान की ग्रोथ प्रभावित नहीं होती। सत्ता का हस्तांतरण बिना किसी संकट या व्यवधान के हो जाता है। आप कंपनी को मेंटोर के रूप में शिखर या कहें कि चेयरमेन के पद से हटने के बाद भी सलाह तो दे ही सकते हैं।

एक बात समझनी होगी कि किसी कंपनी या उद्योग समूह की सफलता का माप केवल उसके वित्तीय प्रदर्शन से नहीं होता है। कंपनी का चरित्र, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी उसकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कंपनी के प्रबंधन को ग्राहकों, कर्मचारियों, या समाज के साथ ईमानदारी बरतनी चाहिए। रतन टाटा की सरपरस्ती में टाटा समूह ने निर्णय लेने की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया। रतन टाटा के लिए अपने ग्राहकों को संतुष्ट करना पहली प्राथमिकता रही। उनके चलते उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता और ग्राहक सेवा में उच्च मानक रखे गए। वह अपने ग्राहकों के साथ मजबूत और स्थायी संबंध बनाने में यकीन करते थे। वह ग्राहकों को सुनते और उनकी जरूरतों को समझते थे।

रतन टाटा ने अपने सामाजिक दायित्वों को हमेशा समझा। इसीलिए टाटा समूह हर साल बहुत बड़ी रकम खर्च करता है। टाटा समूह सिर्फ एक कॉर्पोरेशन नहीं है, बल्कि एक ऐसा संगठन है जिसके डीएनए में समाज सेवा है। जमशेदजी टाटा की दूरदृष्टि से स्थापित इस समूह ने शुरू से ही समाज सेवा को अपने कार्यों का अभिन्न अंग बनाया है। यह अपने धर्मार्थ कार्यो के माध्यम से भारत में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डालता है, जो देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

जमशेदजी को यह प्रेरणा स्वामी विवेकानंद जी से ही प्राप्त हुई थी। शिकागो के सर्व धर्म सम्मेलन में जाने के पूर्व जब वे दक्षिण भारत का भ्रमण कर रहे थे तो उन्हें यह बात खली कि दक्षिण भारत में विज्ञान की उच्चतर शिक्षा प्रदान करने वाला कोई संस्थान नहीं है। तब उन्होंने विचार किया कि इस काम में टाटा स्टील के संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा उपयुक्त व्यक्ति होंगें और उन्होंने शिकागो जाने के पूर्व उन्हें एक पत्र लिखा जो माई डियर जेआरडी के नाम से प्रसिद्ध है। स्वामीजी ने टाटा को लिखा कि आप बिहार के जमशेदपुर से अच्छा पैसा कमा रहे हो। मेरी शुभकामना है कि और ज़्यादा धन अर्जित करो और ज़्यादा लोगों को रोज़गार दो। लेकिन, विज्ञान की उच्चतर शिक्षा से वंचित दक्षिण भारत की भी थोड़ी चिंता करो और दक्षिण भारत में कहीं भी विज्ञान की ऊँची पढाई और रिसर्च का कोई बढ़िया संस्थान स्थापित करो। मैं जानता हूँ कि तुम यह कर सकते हो और विश्वास ही कि तुम ऐसा ही करोगे। स्वामी विवेकानंद जी की इस प्रेरक चिट्ठी पढ़ने के बाद जमशेदजी इतने प्रेरित हुए कि उन्होंने बैंगलुरु में तत्काल ही एक विज्ञान का बढिया संस्थान शुरू कर दिया जो आज इण्डियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस के नाम से विश्व विख्यात हैं और जो प्रतिभाशाली बच्चे वैज्ञानिक बनाना चाहते है, या रिसर्च या अध्यापन कार्य में अपना करियर बनाना चाहते हैं वे किसी भी आईआईटी में जाने से ज़्यादा आईआईएस में जाना ज़्यादा पसंद करते हैं।

अब नोएल टाटा को टाटा समूह के धर्मार्थ कार्यों पर फोकस देना होगा। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक विकास, आपदा राहत और कला-संस्कृति जैसे क्षेत्रों में काम करना होगा। टाटा समूह समाज सेवा में एक दीर्घकालीन प्रतिबद्धता रखता है। वह कई दशकों से इन कार्यों में लगातार जुड़ा हुआ है और यह प्रतिबद्धता आगे भी जारी रहनी चाहिए। सारे देश को पता है कि टाटा समूह समाज सेवा के माध्यम से सतत विकास में विश्वास रखता है। इसके कार्य न सिर्फ वर्तमान पीढ़ी के लिए फायदेमंद हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उपयोगी साबित होंगे। टाटा समूह के धर्मार्थ कार्य देश के विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान हैं। अब देश को नोएल टाटा से यह आशा है कि वह अपने समाज सेवा से जुड़े कार्यों को जारी रखेगा।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

ज्ञान विज्ञान

मूड भी बनाता व बिगाड़ता है मीठा

चीनी से केवल वजन ही नहीं बढ़ता, बल्कि इसके कारण अन्य कई लाइफस्टाइल डिसऑर्डर भी होते हैं, जिसके कारण अक्सर लोगों को चेहरे पर मुंहासों की समस्या का सामना करना पड़ता है। आज के समय में हर कोई अपनी फिगर को लेकर काफी कॉन्शियस रहता है। यही कारण है कि थोड़ा भी वजन बढ़ने पर लोग डाइटिंग करना शुरू कर देते हैं और इसमें सबसे पहले नंबर आता है मीठा छोड़ने का। अमूमन यह माना जाता है कि मीठा छोड़ने से वजन तेजी से घटता है। यह सच है लेकिन पूरी तरह नहीं। दरअसल, मीठा छोड़ने से आपके वजन पर तो असर पड़ता है ही, साथ ही इससे शरीर में अन्य भी कई बदलाव होते हैं। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में -

हेल्दी हार्ट-जब आप चीनी का सेवन करते हैं तो इससे आपके शरीर में इंसुलिन का स्तर बढ़ता है, जो आपके तंत्रिका तंत्र को भी उत्तेजित करता है। ऐसे में आपका हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर बढ़ने लगता है। वहीं जब आप चीनी छोड़ते हैं तो एक सप्ताह में ही आपको अपना ब्लड प्रेशर स्थिर होता हुआ नजर आएगा। इतना ही नहीं, इससे आपका बैड कोलेस्ट्रॉल भी धीरे-धीरे कम होने लगेगा। स्किन में बदलाव-चीनी से केवल वजन ही नहीं बढ़ता, बल्कि इसके कारण अन्य कई लाइफस्टाइल डिसऑर्डर भी होते हैं, जिसके कारण अक्सर लोगों को चेहरे पर मुंहासों की समस्या का सामना करना पड़ता है। एक अध्ययन से भी यह बात सामने आई है कि जो महिलाएं सोडा व अन्य चीनी युक्त पेय पदार्थ को छोड़ देती हैं, उनकी स्किन काफी अच्छी होती है और उन्हें महंगी क्रीम व कंसीलर का प्रयोग करने की जरूरत नहीं पड़ती। आपको शायद यह जानकर हैरानी हो लेकिन चीनी और आपके मूड का भी आपस में संबंध है। एक अध्ययन में यह पाया गया कि जो महिलाएं अपने आहार में आवश्यकता से अधिक मीठे का सेवन करती हैं, उन्हें बहुत अधिक मूड स्विंग्स होते हैं। ऐसे में अगर आप अपनी डाइट से मीठे की मात्रा को कम करती हैं तो इससे धीरे-धीरे आपके मूड पर सकारात्मक प्रभाव नजर आने लगता है। वजन कम होना-यह तो हम सभी जानते हैं कि मीठा छोड़ने से वजन धीरे-धीरे कम होने लगता है। दरअसल, जब आप चीनी छोड़ देते हैं तो ग्लूकोज की अनुपस्थित कि कारण, शरीर वसा से ऊर्जा के लिए कीटोन बनाना शुरू कर देता है। इसे फैट बर्निंग मोड कहा जाता है। शुरुआती एक सप्ताह में आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन इसके बाद आपका वजन कम होना शुरू हो जाता है।

नजरिया

हरियाणा में जीती बाजी हार गई कांग्रेस

सुरेश हिंदुस्तानी

मोबाइल : 9770015780

अभी हाल ही में देश के दो महत्वपूर्ण राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के बाद अब तस्वीर स्पष्ट हो चुकी है। जहां हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी ने अप्रत्याशित रूप से लगातार तीसरी बार सत्ता प्राप्त की है, वहीं धारा 370 हटने के बाद जम्मू कश्मीर में हुए चुनाव में भाजपा को खासी सफलता नहीं मिली। जम्मू कश्मीर में भाजपा को इस बार कुछ अच्छा होने की प्रत्याशा थी, लेकिन वहां धारा 370 की प्रबल समर्थक नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को बहुमत मिला है। इसका आशय यही निकलता है कि जम्मू कश्मीर के घाटी वाले हिस्से में मिला जुला जनादेश मिला है। वहीं हरियाणा की बात की जाए तो इस प्रदेश में कांग्रेस की असफलता का एक बड़ा कारण गठबंधन नहीं होना ही माना जा रहा है। हरियाणा में कांग्रेस को यह गुमान हो गया था कि वह अपने दम पर सरकार बनाने में सफलता हासिल कर लेगी, लेकिन कांग्रेस को एक बार फिर निराश होना पड़ा। कांग्रेस की इस पराजय ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों ने कांग्रेस की कार्यशैली पर सवाल भी उठाए हैं। यह सत्य है कि अगर हरियाणा में भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों में समन्वय हो जाता तो शायद परिणाम भिन्न हो सकते थे, लेकिन कांग्रेस ने इंडी गठबंधन के अन्य दलों की अनसुनी करके अपनी पराजय का मार्ग तैयार कर लिया। अब कांग्रेस इस हार को प्रादेशिक नेतृत्व के सिर मढ़कर केंद्रीय नेतृत्व को बचाने की जुगत में लग गई है। जबकि पूरे चुनाव में केंद्रीय नेतृत्व की अप्रत्यक्ष कमान संभाल रहे राहुल गांधी बेहद सक्रिय दिखाई दिए। सभी जानते हैं कि कांग्रेस जीत के प्रति पूरी तरह से आशान्वित थी। यहां तक कि कांग्रेस ने जीत के जुलूस की भी व्यापक तैयारी की थी।

हालांकि हरियाणा में कांग्रेस के पास खोने के लिए कुछ नहीं था। क्योंकि वह सत्ता में नहीं थी। हरियाणा कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व भी इस बात को जानता था कि अगर उसको सत्ता मिल जाती तो इसका श्रेय प्रादेशिक नेताओं को कभी नहीं मिलता, लेकिन हार का हथोड़ा उनके सिर पर ही फोड़ा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि कांग्रेस के अंदर ही प्रादेशिक नेताओं में गंभीर जोर आजमाइश चल रही थी, इसका कारण सत्ता प्राप्ति के मुख्यमंत्री पद की चाहत ही था। लेकिन इस राजनीतिक अस्तित्व को दिखाने और सामने वाले के मिटाने के खेल ने ही कांग्रेस को ज़मीन पर लाकर खड़ा कर दिया है। कांग्रेस हरियाणा में लम्बे समय से सत्ता प्राप्ति के लिए संघर्ष कर रही थी। इसका एक कारण यह भी माना जा सकता है कि कांग्रेस के नेताओं ने लम्बे समय तक शासन का सुख भोगा है, इसलिए उनको सत्ता के सुख की आदत सी हो गई है। इस बार हरियाणा में प्रदेश के प्रमुख नेताओं के बीच अलग से एक राजनीतिक युद्ध जैसा दिखाई दे रहा था। हरियाणा में कांग्रेस, भाजपा से कम अपने ही नेताओं से ज्यादा लड़ रही थी। कहा जाता है कि किसी भी प्रकार की लड़ाई में दुश्मन तो स्पष्ट दिखाई देता है, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जो दिखते तो बिलकुल दोस्त जैसे ही हैं, लेकिन वे मुंह में राम बगल में छुरी रखकर चलते हैं। जहां अवसर मिलता है, वे सामने वाले के पैर खींचने का काम करते हैं। प्रदेश में कांग्रेस नेताओं के बीच इसी प्रकार की दुश्मनी दिखाई दी। प्रदेश की प्रमुख महिला नेता शैलजा तो जैसे कोपभवन में ही बैठ गई थीं। वे जब सक्रिय हुई तब तक कांग्रेस बहुत प्रचार अभियान में बहुत पीछे जा चुकी थी। हरियाणा की राजनीतिक स्थिति का आकलन किया जाए तो बहुत पहले यह परिलक्षित होने लगा था कि इस बार भाजपा की सरकार नहीं बन सकती। क्योंकि हरियाणा में भाजपा के विरोध में किसान और पहलवान एक प्रकार से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए देश भर के आंदोलनों के सूत्रधार बने हुए थे, कांग्रेस चाहती तो इस वातावरण का राजनीतिक लाभ प्राप्त कर सकती थी, लेकिन कांग्रेस के नेता स्थिति का अध्ययन इसलिए नहीं कर सके, क्योंकि वे इस बात के लिए पूरी तरह आश्वस्त हो चुके थे कि कांग्रेस की सरकार बनने से कोई रोक नहीं सकता। बस कांग्रेस यहीं बड़ी चूक कर गई और हरियाणा में कांग्रेस के सपने एक बार फिर चकनाचूर होते चले गए। ऐसे अब कांग्रेस को सिरे से चिंतन और मंथन करने की आवश्यकता है। हालांकि देश में 2014 के बाद विभिन्न प्रकार के 47 चुनाव हुए, जिसमें से 36 चुनावों में कांग्रेस को पराजय का सामना करना पड़ा। हर पराजय के बाद कांग्रेस में चिंतन और मंथन करने की बात की जाती है, लेकिन इस चिंतन में शीर्ष नेतृत्व पर उंगली उठाने का साहस किसी में नहीं होता। अंततः वही होता है, जैसा राहुल गांधी चाहते हैं। वर्तमान में भले ही मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, लेकिन उनकी भूमिका कितनी निर्णायक होती है, यह सभी जानते हैं।

हरियाणा में भाजपा की पुनः सरकार बनने का रास्ता अब साफ हो गया है, लेकिन कई मायनों में इसे भाजपा की सफलता नहीं माना जा सकता। चुनाव से पूर्व के राजनीतिक हालात भाजपा के पक्ष में कभी भी दिखाई नहीं दिए और न ही भाजपा सरकार के कामकाज से जनता प्रसन्न ही थी। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को सत्ता के सिंहासन से उतार कर भाजपा ने यह संकेत तो कर ही दिया था कि भाजपा के पक्ष में सब कुछ ठीक नहीं था। भाजपा ने मुख्यमंत्री बदल कर इस माहौल को परिवर्तित करने का प्रयास किया। भाजपा का यह कदम उसके लिए संजीवनी का काम कर गया जो भाजपा के लिए जीवनदान साबित हुआ। वहीं कांग्रेस की कमजोरी यह भी रही कि वह राजनीतिक वातावरण का अध्ययन करने में चूक गई। हरियाणा में कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व गुटों में विभाजित है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा स्वयं को कांग्रेस का सर्वेसर्वा मानकर ही राजनीति करते रहे। यही कांग्रेस के आत्मघाती साबित हुआ। अब कांग्रेस के नेताओं को यह सिखाने की आवश्यकता है कि बदले हुए राजनीतिक हालात में राजनीति कैसे की जाती है, क्योंकि अब राजनीति परिदृश्य बदल चुका है। देश के कई क्षेत्रीय दल कांग्रेस के साथ आना नहीं चाहते। राजनीतिक मज़बूरी उनको साथ बनाए हुए है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत दर्शन

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह रविवार को नई दिल्ली में भारत दर्शन यात्रा 2023-24 के तहत जम्मू और कश्मीर के छात्रों के लिए दोपहर के भोजन का आयोजन किया।

सलमान खान ने राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी के आवास जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी

मुंबई/भाषा। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान ने अपने करीबी मित्र एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दिवंगत नेता बाबा सिद्दीकी के बांद्रा स्थित आवास जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सिद्दीकी (66) को शनिवार रात उनके बेटे एवं विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर तीन लोगों ने गोली मार दी थी। उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। सलमान को अपने अंगरक्षक शेरा के साथ 'मकबा हाइट्स अपार्टमेंट' स्थित सिद्दीकी के आवास से रविवार शाम को बाहर निकलते देखा गया।

शेरा और कुछ पुलिस अधिकारियों के साथ 58 वर्षीय अभिनेता लोगों की भीड़ को पार करते हुए बांद्रा स्थित अपार्टमेंट के मुख्य द्वार से एक काली कार तक पहुंचे। सलमान उन चंद फिल्मी हस्तियों में से एक हैं,

जो शनिवार रात सिद्दीकी के परिवार से मिलने अस्पताल पहुंचे थे। उनके परिवार के सदस्य सोहेल खान, शुरा खान, अर्पिता खान शर्मा और अलवीरा अग्निहोत्री के साथ-साथ उनकी दोस्त यूलिया वंतूर भी रविवार शाम को सिद्दीकी के आवास की ओर जाते हुए देखी गईं।

'गंगूबाई काठियावाड़ी' बहुत ज्यादा पसंद आई : गॉर्डन लेविट

मुंबई/भाषा। हॉलीवुड अभिनेता जोसेफ गॉर्डन-लेविट ने शनिवार को कहा कि उन्हें संजय लीला भंसाली की गंगूबाई काठियावाड़ी बहुत पसंद आई और इस फिल्म ने उन्हें भारतीय सिनेमा को और अधिक गहराई से जानने के लिए प्रेरित किया।

10 थिंग्स आई हेट अबाउट यू, 500 डेज ऑफ समर और इनसेप्शन जैसी फिल्मों के लिए मशहूर गॉर्डन-लेविट ने आईएफपी (पूर्व में इंडिया फिल्म प्रोजेक्ट) सीजन 14 में बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव के साथ एक सत्र के दौरान यह बात कही।

जब राव ने गॉर्डन-लेविट से भारतीय सिनेमा के बारे में उनके विचार पूछे, तो वह पहले तो अपनी पसंदीदा फिल्म का नाम नहीं याद कर पाए। उन्होंने बॉलीवुड अभिनेता से कहा कि उन्हें आलिया भट्ट की एक फिल्म याद दिलाएं, जिसमें उन्होंने ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी।

राव ने उन्हें बताया कि वह भंसाली की गंगूबाई काठियावाड़ी थी, जो हुसैन जैदी की पुस्तक माफिया क्वींस ऑफ मुंबई के एक अध्याय पर आधारित थी ।

साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म में भट्ट ने गंगूबाई की मुख्य भूमिका निभाई थी, जो 1960 के दशक के दौरान कमाठीपुरा की सबसे शक्तिशाली, प्रिय और सम्मानित महिलाओं में से एक थी।

गॉर्डन-लेविट ने इसके बाद फिल्म की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह अनोखी, खूबसूरत, पूरी तरह से अलग फिल्म थी और इस तरह की फिल्म उन्होंने पहले कभी नहीं देखी थी। उन्होंने कहा, यह एक बहुत ही गंभीर, विशिष्ट शैली वाली फिल्म थी। मैं इस फिल्म पर पूरी तरह फिदा हो गया था। उन्होंने कहा, इसकी वजह से मुझमें भारतीय सिनेमा के बारे में और अधिक जानने की इच्छा जागृत हुई। इसी कारण मैं यहां आना चाहता था। मैं भारत में आकर फिल्म बनाना चाहता हूं।

राम चरण की फिल्म 'गेम चेंजर' संक्रांति पर होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के जानेमाने अभिनेता रामचरण की फिल्म अगले साल संक्राति के अवसर पर रिलीज हो सकती है। राम चरण ने फिल्म 'गेम चेंजर' के लिये निर्देशक एस शंकर से हाथ मिलाया है। दर्शक बेसब्री से फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी को एक साथ बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हैं, लेकिन अब उन्हें थोड़ा और इंतजार करना होगा, क्योंकि फिल्म की रिलीज की तारीख में बदलाव किया गया है। फिल्म अब तय समय पर दस्तक नहीं देगी। बहुप्रतीक्षित तेलुगु फिल्म गेम चेंजर अब संक्रांति 2025 के आसपास रिलीज होगी। राम चरण और कियारा आडवाणी अभिनीत यह फिल्म पहले क्रिसमस 2024 पर रिलीज होने वाली थी। यह फिल्म पहले 20 दिसंबर, 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट आगे खिसका दी गई है। निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर इसका एलान किया है।गेम चेंजर की रिलीज की घोषणा दशहरा के दिन 12 अक्तूबर को श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस यानी फिल्म के प्रोडक्शन हाउस के आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश के जरिए की गई है। शंकर द्वारा निर्देशित 'गेम चेंजर' एक राजनीतिक थ्रिलर है, जिसकी कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है। फिल्म में राम चरण, कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत, जयराम और नवीन चंद्रा अहम भूमिकाओं में हैं। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस द्वारा निर्मित 'गेम चेंजर' में संगीत थमन ने दिया है, छायांकन तिरू ने और संपादन शमीर मुहम्मद ने किया है।

ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद सैन्य प्राथमिकताओं में व्यापक बदलाव की योजना

वाशिंगटन/एपी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना है कि यदि वह इस साल नवंबर में होने वाले चुनाव में जीत हासिल करते हैं तो यूरोप और पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बावजूद सैन्य प्राथमिकताओं में व्यापक बदलाव कर सैन्यबलों को अन्य देशों से बुलाकर अमेरिकी धरती पर तैनात करेंगे। ट्रंप को यदि दूसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति चुना जाता है तो रिपब्लिकन पार्टी और उनके सहयोगी अन्य देशों में तैनात अमेरिकी सैन्यबलों को बुलाकर उन्हें अमेरिका के नीतिगत लक्ष्यों के लिए इस्तेमाल करने की योजना तैयार करेंगे।

ट्रंप ने विदेशों से हजारों अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने और उन्हें मेक्सिको से लगी अमेरिकी सीमा पर तैनात करने का संकल्प लिया है। उन्होंने निर्वासन और अशांति से निपटने जैसी घरेलू नीतिगत प्राथमिकताओं के लिए सैनिकों के इस्तेमाल पर विचार किया है। उन्होंने उन सैन्य अधिकारियों को हटाने की बात की है जो वैचारिक रूप से उनके विरोधी हैं। ट्रंप का दृष्टिकोण अमेरिकी समाज में सेना की भूमिका में संभवत: नाटकीय बदलाव की बात करता है।

राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार एवं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के खिलाफ ट्रंप का प्रचार अभियान अपने अंतिम चरण में है, ऐसे में वह उन प्रवासियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का वादा कर रहे हैं जिनके पास स्थायी कानूनी दर्जा नहीं है।

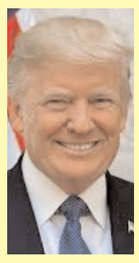

पूर्व राष्ट्रपति एवं उनके सलाहकार सेना की प्राथमिकताओं और संसाधनों को ऐसे समय में बदलने की योजनाएं बना रहे हैं, जब यूरोप और पश्चिम एशिया में युद्ध जारी है। 'एजेंडा 47' के नाम से जाने जाने वाले ट्रंप के घोषणा पत्र में सर्वोच्च प्राथमिकता ''वर्तमान में विदेशों में तैनात हजारों सैनिकों को'' अमेरिका-मेक्सिको सीमा पर तैनात करना है। उन्होंने गिरोहों के खिलाफ ''युद्ध की घोषणा'' करने और नौसेना को पोतों की जांच में तैनात करने का वादा किया है। ट्रंप ने यह भी कहा है कि वह उन लाखों प्रवासियों को निर्वासित करने के अभियान के तहत 'नेशनल गार्ड' और संभवत: सेना का उपयोग करेंगे, जिनके पास स्थायी कानूनी नागरिक का दर्जा नहीं है।

ट्रंप के प्रचार अभियान ने यह बताने से इनकार कर दिया कि वह कितने सैनिकों को विदेशों से बुलाकर सीमा पर भेजेंगे, लेकिन उनके सहयोगी इस योजना को एक व्यापक मिशन के रूप में पेश कर रहे हैं जिसके तहत संघीय सरकार के सबसे शक्तिशाली उपकरणों का नए और नाटकीय तरीकों से उपयोग किया जाएगा।

राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप के कार्यकाल में आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन के कार्यवाहक निदेशक के रूप में काम कर चुके रॉन विटिएलो ने कहा, ''इस योजना के तहत विधि विभाग, गृह विभाग और रक्षा विभाग का गठबंधन हो सकता है। इन तीनों विभागों को इस तरह से समन्वित किया जाएगा जैसा शायद पहले कभी नहीं किया गया है।''

वित्त पोषण और अन्य प्राधिकरणों के माध्यम से सैन्य बल के इस्तेमाल को प्रतिबंधित करने की शक्ति रखने वाली संसद में रिपब्लिकन नेता ट्रंप की योजनाओं से बड़े पैमाने पर सहमत हैं।

कनाडा के सांसद ने खालिस्तानी आतंकवाद पर रिपोर्टिंग के लिए हमलों को लेकर चिंता जताई

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट की 'संभावित' संलिप्तता के आरोप लगाने के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ओटावा/भाषा। कनाडा में भारतीय मूल के एक सांसद ने खालिस्तानी आतंकवाद पर रिपोर्ट करने वाले पत्रकारों पर हमलों को लेकर चिंता व्यक्त की है और अधिकारियों से ऐसे मामलों से सख्ती से निपटने को कहा है। 'हाउस ऑफ कॉमन्स' में नेपियन से सांसद चंद्र आर्य ने शुक्रवार को संसद को संबोधित करते हुए कहा, ''मैं कनाडा में खालिस्तानी आतंकवाद पर रिपोर्ट करने वाले पत्रकारों पर हमलों से बहुत चिंतित हूं।'' कुछ दिनों पहले 'रेड एफएम कैलगरी' के ऋषि नागर पर हुए हमलों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि ग्रेटर टोरंटो क्षेत्र और पूरे कनाडा में खालिस्तानी आतंकियों द्वारा कई और हमले किए गए हैं। उन्होंने कहा, ''मैं कानून लागू करने वाली एजेंसियों से अपील करता हूं कि वे खालिस्तानी आतंकवाद को पूरी गंभीरता से लें। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, इससे सख्ती से निपटना होगा।''

सांसद ने याद दिलाया कि मार्च 2023 में 'रेडियो एफएम600' के समीर कौशल पर खालिस्तान विरोध प्रदर्शन को कवर करने के लिए हमला किया गया था। उन्होंने कहा कि फरवरी 2022 में 'ब्रैम्पटन रेडियो' के होस्ट दीपक पुंज पर खालिस्तान से संबंधित हिंसा की आलोचना करने के लिए उनके स्टूडियो में हमला किया गया था। आर्य ने कहा कि आतंकवादी मामलों पर खोजी पत्रकार मोचा बेजिर्गन को खालिस्तानी आतंकवाद पर उनकी निर्भीक रिपोर्टिंग के लिए जान से मारने की धमकी मिली है। पिछले वर्ष सितंबर में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा ब्रिटिश कोलंबिया में खालिस्तानी समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट की ''संभावित'' संलिप्तता के आरोप लगाने के बाद भारत और कनाडा के बीच संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को खारिज कर दिया था।

अनुपम खेर ने महिमा चौधरी को बताया असली हीरो

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जाने माने चरित्र अभिनेता अनुपम खेर ने अभिनेत्री महिमा चौधरी के साहस और शानदार प्रदर्शन के लिए उनकी प्रशंसा की और उन्हें असली हीरो बताया है। अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म द सिग्नेचर की झलकियों वाला एक वीडियो साझा किया और एक प्यारा सा संदेश लिखा, जिसमें कैंसर से जूझने के दौरान महिमा चौधरी की साहस की उन्होंने सराहना की।अपने पोस्ट में अनुपम खेर ने उल्लेख किया कि महिमा ने कीमोथेरेपी से गुजरने और अपने बाल खोने के बावजूद फिल्म पर काम करना जारी रखा। अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, यह मेरी फिल्म प्रमोशन पोस्ट नहीं है। यह हमारी फिल्म के निर्माण के दौरान आपकी

और आपके साहस की सराहना करने के लिए है। यह पता चलने के बाद कि आपको कैंसर है, आप अपनी कीमोथेरेपी से गुजर रही थीं और आपके अधिकांश बाल झड़ गए थे, आप फिर भी आगे बढ़ीं और खुशी-खुशी और पेशेवर तरीके से हमारी फिल्म की शूटिंग की।द सिग्नेचर में आपका प्रदर्शन शानदार से भी अधिक है! इसे आसानी से कई वर्षों में सर्वश्रेष्ठ में से एक कहा जा सकता है।आप असली हीरो हैं। एक असली रोलमॉडल। एक असली प्रभावशाली व्यक्ति! आपके साथ काम करना मेरे लिए खुशी और सौभाग्य की बात है। केसी बोकाडिया और अनुपम खेर स्टूडियो द्वारा निर्मित, फिल्म द सिग्नेचर में अनुपम खेर,महिमा चौधरी, नीना कुलकर्णी, अन्नू कपूर और रणवीर शौरी जैसे प्रभावशाली कलाकार हैं। गजेंद्र अहिरे द्वारा निर्देशित यह फिल्म वर्ष 2013 की मराठी फिल्म अनुमति का हिंदी रूपांतरण है।फिल्म द सिग्नेचर का प्रीमियर 04 अक्टूबर को जी5 पर हुआ था। अनुपम खेर ने कंगना रनौत निर्मित-निर्देशित फिल्म इमरजेंसी में भी महिमा चौधरी के साथ काम किया है।

उद्घाटन

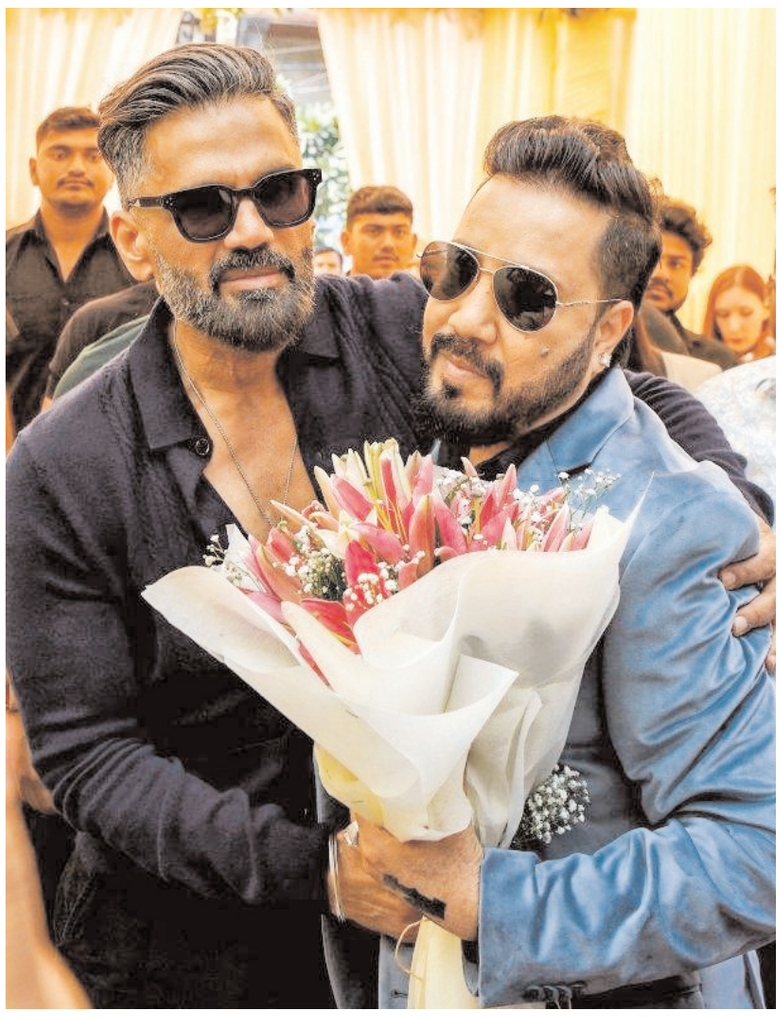

अभिनेता सुनील शेट्टी और गायक मीका सिंह रविवार को नई दिल्ली के जीके 1 में भारतीय कैंसर संस्थान (आईसीआई) अस्पताल के उद्घाटन के दौरान।

बाबा सिद्दीकी ने सुलझाया था सलमान और शाहरुख के बीच सालों पुराना विवाद

मुंबई/एजेन्सी

एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी ने अपनी एक इफ्तार पार्टी में बॉलीवुड के दो सुपरस्टार्स के बीच की दुश्मनी खत्म करवाई थी। सलमान खान और शाहरुख खान ने कई सालों तक एक-दूसरे से बात नहीं की थी लेकिन, बाबा सिद्दीकी की इफ्तार पार्टी में उनकी सारी नोकझोंक खत्म हो गई। 2008 में कैटरीना कैफ की बर्थडे पार्टी में सलमान खान और शाहरुख खान के बीच तीखी झड़प हो गई थी। इसके बाद दोनों ने पांच साल तक एक-दूसरे से बात नहीं की। इतना ही नहीं, बल्कि एक-दूसरे के बारे में बात करने से भी बचें। उन्होंने 2013 में एक इवेंट में इन दोनों स्टार्स को एक साथ लाया था। 2013 में बाबा सिद्दीकी ने अपने घर पर इफ्तार पार्टी रखी थी। इस पार्टी के लिए सलमान खान और शाहरुख खान को इनवाइट किया गया था। इस इफ्तार पार्टी में दोनों ने शिरकत की। यहीं पर दोनों ने सालों की नाराजगी खत्म कर दोस्ती का हाथ बढ़ाया था। दोनों ने एक-दूसरे को गले लगाकर अपनी बहस और मतभेद खत्म कर लिए थे। सलमान और शाहरुख के बीच विवाद को सुलझाने में बाबा सिद्दीकी ने अहम भूमिका निभाई थी। बाबा सिद्दीकी के निधन की खबर आते ही उनकी उस इफ्तार पार्टी की तस्वीरें एक बार फिर वायरल हो रही हैं। इसमें बाबा सिद्दीकी सलमान खान और शाहरुख खान के साथ नजर आ रहे हैं।

रैंप वॉक करेंगी शरवरी, कहा- मेरा सपना हुआ सच

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस शरवरी वाघ मशहूर डिजाइनर पंकज और निधि के लिए फैशन शो में रैंप वॉक करेंगी। अभिनेत्री ने डिजाइनर पंकज और निधि के साथ काम करने को सपने जैसा बताया। उन्होंने कहा कि वह रैंप पर चलने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। शरवरी ने कहा, मैं भारत के पसंदीदा डिजाइनर पंकज और निधि के लिए शोस्टॉपर के तौर पर रैंप पर चलने को लेकर काफी रोमांचित हूं। इन दो प्रतिष्ठित नामों के लिए भारत के सबसे बड़े फैशन शो में से एक के रैंप पर डेब्यू करना मेरे लिए सपना सच होने जैसा है। शरवरी ने डिजाइनर जोड़ी के साथ काम करने को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, अपनी नई और क्रिस्प सेंसिबिलिटी की वजह से यह पावरहाउस कपल स्टाइल और एलिगेंस के मामले में हर कदम को आगे ले जाती है। इसलिए, मैं उनके शोस्टॉपर आउटफिट और उनके लेबल के साथ न्याय करने को लेकर बेहद उत्साहित हूं।

मुझे उम्मीद है कि लोग मुझे शुभकामनाएं देंगे और इस डेब्यू पर मेरा उत्साहवर्धन करेंगे। बता दें कि एक्ट्रेस शरवरी शनिवार को नई दिल्ली में लैक्मे फैशन वीक 2024 में वॉक करती नजर आएंगी। पंकज और निधि के डिजाइन किए ड्रेसेस को दीपिका पादुकोण, सोनम कपूर, शिल्पा शेट्टी, यामी गौतम और आलिया भट्ट जैसी मशहूर हस्तियों ने भी पहना है।इसके साथ ही शरवरी ने शनिवार को दशहरे के अवसर पर अपने आगामी प्रोजेक्ट के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि वह आलिया भट्ट अभिनीत आगामी फिल्म अल्फा के लिए प्रार्थना कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस दिन अन्याय, अज्ञानता और बुराई से लड़ने के सभी साधनों की पूजा करें। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हैप्पी दशहरा और विजयादशमी। आज मैं अल्फा के लिए प्रार्थना कर रही हूं, क्योंकि इस दिन हम सभी हथियारों, औजारों, उपकरणों, किताबों, कलमों की पूजा करते हैं, क्योंकि वे अन्याय, अज्ञानता और बुराई से लड़ने के साधन हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 14-10-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के कगलीपुरा स्थित आशापुरा माताजी धाम में 10 दिवसीय नवरात्रि महोत्सव सम्पन्न हुआ। पहले दिन त्रिशुल प्रतिमा का अभिषेक किया गया। चौथे दिन मीनाक्षी मंदिर से आशापुरा धाम तक पैदल यात्रा संघ निकाला गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बाबा श्याम का मनोरम श्रृंगार

बेंगलूरु के बन्नरघट्टा रोड स्थित श्याम मंदिर में रविवार को शुक्ल पक्ष पापकुशा एकादशी के मौके पर बाबा खाटू श्याम का सजा विशेष श्रृंगार दरबार।

अन्याय, अनीति अधर्म की जड़ है : विनयमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गणेश बाग में विराजित श्री शिविराचार्य विनयमुनिजी खींचन ने निरयावलिका सूत्र की प्रवचन माला के आखिरी दिन कहा कि अन्याय, अनीति अधर्म की जड़ है। जब भी अन्याय बढ़ता है समझना चाहिए लोगों में राज्य का भय नहीं रहता है। राम राज्य का अर्थ ही यही है कि सत्ताधीश से लेकर साधारण नागरिक सभी अन्याय, अनीति छोड़कर प्रजा का पुत्र की पालना करते थे। जनता ही जनार्दन दिखती थी। जब जब सत्ता पर बैठने के बाद मद चढ़ता है तो हाथी का मद् भी फीका पड़ जाता है। संघ प्रवक्ता प्रसन्नचन्द मांडोत ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपतराज मांडोत ने आभार व्यक्त किया।

11वीं वर्षगांठ पर हुआ ध्वजारोहण

आशापुरा माता धाम में ध्वजारोहण व शतचंडी पाठ पूर्णाहुति के साथ सम्पन्न हुआ नवरात्रि महोत्सव

श्री आशापुरा माताजी धाम में नवरात्री का 10 दिनों तक शतचंडी पाठ हुआ। इस बार तिथि बढोतरी के कारण नवरात्री 10 दिनों तक आयोजित की गयी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कगलीपुरा स्थित आशापुरा माताजी धाम में 10 दिवसीय नवरात्रि महोत्सव सम्पन्न हुआ। पहले दिन त्रिशुल प्रतिमा का अभिषेक किया गया। चौथे दिन मीनाक्षी मंदिर से आशापुरा धाम तक पैदल यात्रा संघ निकाला गया। पांचवे दिन गणपति पूजा, छठवें दिन खेतलाजी पूजा व तेल सिन्दूर अर्पण नवम दिवस पर भक्तों का मेला, माताजी को विशेष श्रृंगार, कन्या पूजन, माताजी को 227 विविध व्यंजनों द्वारा विशेष भोग अर्पण, 108 दीपक की आरती, मेहंदी वितरण, दीपों की विशेष आरती, रात्रि सांझी, डांडिया गरबा आदि का आयोजन किया गया।

शनिवार को माताजी धाम की 11वीं वर्षगांठ के मौके पर सुबह विधिविधान सहित पूजा पूजन प्रारंभ हुई। ध्वजारोहण के लाभार्थी परिवारों द्वारा ध्वजा एवं 56 भोग सहित प्रदक्षिणा कर ध्वजा पूजन की गई। विनायकजी, खेतलाजी एवं माताजी को भोग चढ़ाया गया। अभिजित मुहूर्त में रिद्धि सिद्धि विनायकजी ध्वजा के लाभार्थी मुरीबाई सरदारमल भंडारी परिवार, खेतलाजी ध्वजा के लाभार्थी मनोहरमल थानमल भंडारी परिवार एवं आशापुरा माताजी ध्वजा के लाभार्थी सुरेशजी शैलेशजी भंडारी परिवार द्वारा ध्वजा चढ़ाई गई। ध्वजा के पश्चात शतचंडी पाठ हवन पूजन यज्ञ की पूर्णाहुति एवं महाआरती हुई। इस पूरे आयोजन में समस्त ट्रस्ट मंडल, आशापुरा युवा मंडल एवं आशापुरा महिला मंडल का सम्पूर्ण सहयोग रहा। मध्यप्रदेश से आए संगीतकार रमेश एवं पार्टी, पंडित निरंजनजी, अहमदाबाद से आए अन्य पंडितजी, खेतलाजी भक्त दिलीप सोनी व केटर्स बालाराम का सम्मान किया गया।

गुरु गणेश जन्मोत्सव समारोह हेतु साध्वी सुधाकंवर को दिया आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुरु गणेश सेवा समिति कर्नाटक द्वारा 17 नवंबर को महावीर धर्मशाला में आयोजित कर्नाटक गज केसरी गणेशलालमुनि के जन्मोत्सव समारोह में शामिल होने के लिए समिति के पदाधिकारियों ने विजयनगर में विराजित साध्वी सुधाकंवरजी के दर्शन कर उनसे निवेदन किया। समिति के चेयरमैन गौतमचंद धारीवाल, अध्यक्ष किरणचंद बोहरा, मंत्री उगमराज चोपड़ा आदि ने साध्वीश्री के सान्निध्य एवं विजयनगर संघ की उपस्थिति हेतु निवेदन किया। साध्वीवृंद ने आयोजन की सफलता हेतु आशीर्वाद प्रदान किया। अध्यक्ष किरणचंद बोहरा ने बताया कि इस महोत्सव के संपूर्ण लाभार्थी रणजीतमल जितेन्द्रकुमार आगमकुमार कानूंगा परिवार एवं विशेष सहयोगी वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बेंगलूरु सेंट्रल हैं। विजयनगर संघ के अध्यक्ष आनंदकुमार नाहर, उपाध्यक्ष राजेंद्रकुमार बोहरा, गौतमचंद दक, मंत्री कन्हैयालाल सुराणा, कोषाध्यक्ष सुरेशचंद खाबिया, पूर्व अध्यक्ष पुखराज मेहता, राजेंद्रकुमार कोठारी,वसंतराज रांका,सुरेशचंद बोहरा, युवा अध्यक्ष शंकरलाल दक, युवा मंत्री महावीरचंद गुगलिया आदि ने समिति सदस्यों को धन्यवाद दिया।

नवरात्रि के अवसर पर डांडिया रास का भव्य आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के माहेश्वरी महिला संगठन व माहेश्वरी युवा संघ के संयुक्त तत्वावधान में पैलेस ग्राउंड किंग्स कोर्ट सभागार में डांडिया रास का आयोजन किया गया। सुनील सारड़ा ने संचालन करते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में स्थान प्रायोजक नंदकिोर मालु, उपहार प्रायोजक लक्ष्मीनारायण देवकीनंदन डागा, मुख्य द्वार प्रायोजक विट्ठल गोरधन डागा, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नवल मालु, माहेश्वरी सौहार्द सोसाइटी के अध्यक्ष लक्ष्मीनारायण डागा, युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री, महिला संगठन की अध्यक्षा श्वेता बियाणी ने माँ दुर्गा की पूजा–आरती कर कार्यक्रम की शुरुआत की। ज़ोन ग्रुप प्रतियोगिता में वेस्ट जोन ग्रुप प्रथम तथा नार्थ जोन ग्रुप उपविजेता रहा। इस मौके पर विशेष आकर्षक वेश, विभिन्न उम्र सीमा वर्ग में अनेक विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। इस मौके पर महिला संगठन व युवा संघ के सदस्यों ने व्यवस्था संभाली। डीजे गोराग की धमाकेदार धुन पर समाज के 800 सदस्यों ने डांडिया रास का आनंद लिया । धन्यवाद ज्ञापन गायत्री मालपानी ने दिया ।

वैशाली दुर्गा विसर्जन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बीटीएम लेआउट स्थित दुर्गा पांडाल में वैशाली जनकल्याण समिति में मां दुर्गा मूर्ति का विसर्जन कार्यक्रम में सैकड़ों भक्तों ने नम आंखों से विदाई दी। माइलसंद्रा झील में दुर्गा प्रतिमा का विसर्जन किया, इस मौके पर अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, सचिव मुकेश सिंह, उपाध्यक्ष पंकजसिंह, कोषाध्यक्ष धीरेंद्रसिंह , उपकोषाध्यक्ष निशांत द्विवेदी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज द्वारा नवरात्रि गरबा महोत्सव आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एक होटल में शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के प्रमुख कार्यवाहक सुनीलकुमार शर्मा के नेतृत्व मे एक दिवसीय नवरात्रि गरबा महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें समाज के सदस्यों ने परिवार सहित भाग लिया। सर्वप्रथम मां दुर्गा की पूजा,अर्चना एवं कलश स्थापना कर कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। इस गरबा व डांडिया रास कार्यक्रम में सभी वर्गों के लोगों ने भाग लिया। पुरुष एवं महिलाओं ने पारम्परिक वेशभूषा में गरबा किया। समिति की ओर से विभिन्न प्रतियोगिताओं व वर्ग में विजेताओं का सम्मान किया गया। वरिष्ठ पुरुष व महिलाओं को भी सम्मानित किया गया।

समारोह मे नवरात्र के नौ दिनो का अखण्ड व्रत करने वाले तपस्वियों का सम्मान किया गया। अंत मे लकी ड्रा कूपन के भाग्यशाली तीन विजेताओं के नाम की घोषणा भी की गई। समाज प्रमुख सुनील शर्मा ने सभी समाज सदस्यों को धन्यवाद दिया तथा आगामी वर्ष में बड़े रुप से आयोजन करने के लिए एक समिति का गठन किया गया।

हनुमंतनगर में बच्चों के लिए आयोजित सरस्वती साधना उल्लासपूर्वक संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा में नवपद आयंबिल ओली आराधना के पांचवें दिवस पर रविवार को प्रातः प्रवचन में नवकार महामत्र के पंचम पद श्री णमो लोए सव्वसाहूणं पद की विधिवत् साधना की विधि आंयम्बिल तपाराधकों को संपन्न करवाते हुए नमस्कार सूत्र के पांचवें पद की सारगर्भित व्याख्या करते हुए साध्वी धर्मप्रभाजी ने श्रीपाल – मैना सुंदरी चरित्र पर रोशनी डालते हुए कहा कि जो धर्म की रहता करता है तो चर्म उसकी रक्षा करता है। हमें सदाचार के साथ जीवन जीते हुए हमेशा परोपकार की भावना रखनी चाहिए विद्या विनय गुण को बढ़ती है, विनय पात्रता बढ़ाती है। विद्या विनय को देती है। विनय से पुनः विद्या बढ़ती है। यह एक विरल चक्र बन जाता है। जैसे पानी से वाष्प बनती है और वाष्प से बादल बनते हैं और बादलों से पुनः पानी बरस जाता है। धर्म की आराचना कल्याणकारी होती है।

प्रारंभ में साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने कहा कि विनयशील विनीत तथा पांचों इन्द्रियों के विषयों से विकारों से विरत आत्मार्थी साधक बहुश्रुत कहे जाते हैं। अहंकार, क्रोध, प्रमाद, रोग एवं आलस्य थे पांच तत्त्व साधक के द्रुत शिक्षा में बाधक है। धृत प्राप्ति में सबसे प्रमुख गुण विनय होता है। व्यक्ति शिक्षा की पात्रता होने पर ही बहुश्रुत बनता है। बहुश्रुत के गुणों की महिमा शंख, अश्व, वीर मोहा शकेन्द्र, वासुदेव, चक्रवर्ती आदि 16 उत्तम उपमाओं से की गई है। प्रवचन पश्चात धर्मसभा में बच्चों के ज्ञानवृद्धि, बुद्धि– कौशल विकास के लिए सरस्वती साधना का आयोजन किया गया जिसमें जैन गुरुकुल हनुमंतनगर के 250 विद्यार्थियों सहित बेंगलोर के विभिन्न उपनगरों से बालक–बालिकाएं अपने अभिभावकों के साथ उपस्थित हुए। साध्वीद्वय ने सभी बच्चों को विधिवत रूप से सरस्वती साधना आराधना विविध मंत्रोच्चार, स्तुति प्रार्थना करवाई।बच्चों के लिए प्रभावना गौतमचंद संजय स्वरूप सिंघवी परिवार द्वारा दी गई। संचालन उपाध्यक्ष पारसमल दुग्गड ने किया।

मां शेरांवाली की विदाई के साथ दुर्गा पूजा महोत्सव सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर की श्रीराम परिवार नवदुर्गा पूजा समिति की ओर से माइको लेआऊट ग्राउण्ड में आयोजित दुर्गा पूजा महोत्सव शनिवार को मूर्ति विसर्जन के साथ सम्पन्न हो गया। विशाल शोभायात्रा व उल्लासपूर्ण माहौल में माता की विसर्जन यात्रा निकाली गई तथा बेगूर लेक में माता का विसर्जन किया गया। नौ दिनों तक पांडाल में विविध धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भजन–कीर्तन एवं माताजी की मंगल आरती के साथ ही अखण्ड रामायण पाठ भी हुआ। इस अवसर पर

अध्यक्ष राकेश मिश्र, उपाध्यक्ष सत्यदेव पाण्डेय एवं प्रदीप तिवारी, कोषाध्यक्ष राजेश द्विवेदी, सचिव अजयप्रकाश पाण्डेय, सहसचिव राजीव शुक्ला आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

अन्नदान

बेंगलूरु के वर्धमान स्थानकवासी नवयुवक मंडल अक्कीपेट के सदस्यों द्वारा अक्कीपेट स्थानक के सामने लगभग 250 से अधिक जरूरतमंद लोगों को भोजन कराया। हनुमान चौपड़ा के सौजन्य से आयोजित इस मानव सेवा कार्यक्रम में धर्मेंद्र लुकड़, राज लुकड़, पंकज विनायकिया,राजेन्द्र बाफना सहित अनेक सदस्यों ने सेवा दी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com